सम्पूर्ण अहिंसा में
द्वेष
का
संपूर्ण
अभाव होता है।
-महात्मा गांधी-

दैनिक
लोकजीवन
www.lokjeewan.com
जयपुर एवं भीलवाड़ा से प्रकाशित राज्य स्तरीय समाचार पत्र
संस्थापक - स्व. डॉ. शिवकुमार जी त्रिवेदी

लोक जीवन में विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें:-
- : जयपुर : -
0141-4038281
- : भीलवाड़ा : -
8306792625

वर्ष- 19 | अंक- 208 | जयपुर. शुक्रवार . | 27 नवम्बर , 2026 | RNI No. RAJHIN/2008/26744 | मूल्य 1 रूपया | पृष्ठ - 4

न्यूज इनबॉक्स

जिला परिषद् के उप प्रमुख पद पर कांग्रेस के सुनील कुमावत निर्वाचित

जयपुर (कासं)। जिला परिषद् जयपुर के उप प्रमुख पद के निर्वाचन में इंडियन नेशनल कांग्रेस के प्रत्याशी सुनील कुमार कुमावत निर्वाचित हुए हैं। निर्वाचन में सुनील कुमार कुमावत को 41 मत प्राप्त हुए, जबकि भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी सीता राम शर्मा को 13 मत मिले। इस प्रकार दोनों प्रत्याशियों को कुल 54 विधिमान्य मत प्राप्त हुए। जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) एवं रिटर्निंग अधिकारी संदेश नायक ने बताया कि उप प्रमुख पद के निर्वाचन में कुल 55 मत डाले गए। इनमें से 54 मत विधिमान्य तथा एक मत प्रतिक्षेपित हुआ। निविदत्त मतों की संख्या शून्य रही तथा नोटा के पक्ष में भी कोई मत प्राप्त नहीं हुआ। रिटर्निंग अधिकारी संदेश नायक ने निर्वाचन परिणाम की घोषणा करते हुए सुनील कुमार कुमावत को जिला परिषद् जयपुर के उप प्रमुख पद पर विधिवत निर्वाचित घोषित किया तथा शपथ दिलाई।



तिरुपति मंदिर को मिला 208 करोड़ का महादान, 15 महीने में तैयार हुए 45 बेशकीमती आभूषण

चेन्नई (एजेंसी)। तिरूमला के तिरूपति मंदिर में चेन्नई के एक भक्त ने गुरूवार को 121 किलो सोने के आभूषण दान किए। इनकी कीमत करीब 208 करोड़ रूपए है। यह दान वर्धमान जैन और उनकी पत्नी राधिका जैन ने दिया है। दान मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की मौजूदगी में हुआ। दान में 9 सेट में रखे 45 जेवर और 238.2 कैरेट के हीरे शामिल हैं। दंपती ने मंदिर में भगवान वेंकटेश का मुकुट और पैरों के आभूषण भी चढ़ावे में दिए। टीटीडी के मुताबिक, तिरूमला में भगवान वेंकटेश्वर को किसी एक भक्त की ओर से दिया गया यह अब तक का सबसे बड़ा चढ़ावा है। भगवान वेंकटेश के लिए बनाए गए ये जेवर 8 बक्सों में भरकर लाए गए। जेवरों को बनाने में 15 महीने लगे। दान किए गए रत्नों और आभूषणों में से 106 किलो सोने के आभूषण भगवान के लिए थे, जबकि देवी श्री पद्मावती अम्मावरू को 15 किलो वजन के आभूषण/पोशाक भेंट की गई।

नेटफ्लिक्स पर नहीं दिखेगा पाकिस्तानी कंटेंट, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने जारी किए निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि पाकिस्तान में बने किसी भी कंटेंट की भारत में स्ट्रीमिंग न हो। मंत्रालय का यह निर्देश 8 मई 2025 को जारी किए गए उसके पुराने आदेश के अनुरूप है। मंत्रालय ने नेटफ्लिक्स को पिछले साल जून में किए गए उसके अपने वादे का सम्मान करने के लिए कहा है। उस समय स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने मंत्रालय को सूचित किया था कि भारत में उसके सब्सक्राइबर्स के लिए पाकिस्तान से जुड़ी कोई भी फिल्म या वेब सीरीज उपलब्ध नहीं कराई गई है। मंत्रालय ने नेटफ्लिक्स से कहा है कि वह उसी रूख पर कायम रहे, जो उसने पहले स्पष्ट किया था। मंत्रालय का यह ताजा निर्देश उन कई शिकायतों और ज्ञापनों के मिलने के बाद आया है, जिनमें पाकिस्तान स्थित वेब सीरीज जो बचे हैं संग समेट लो की भारत में संभावित रिलीज को लेकर आपत्ति जताई गई थी।

महिला कोटा विधेयक पर सरकार की तैयारी तेज, पीएम मोदी मंत्रियों के साथ करेंगे समीक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के दोनों सदनों की बैठक दोबारा बुलाए जाने के प्रस्ताव के बाद अब सरकार ने अपनी रणनीति को अंतिम रूप देने की तैयारी शुरू कर दी है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को केंद्रीय कैबिनेट और मंत्रियों के साथ एक अहम बैठक में गहन मंथन करेंगे। माना जा रहा है कि इस बैठक में आगामी संसद सत्र के विधायी एजेंडे, महत्वपूर्ण विधेयकों और सदन में सरकार की रणनीति पर चर्चा होगी। संसद के सत्र से पहले शुक्रवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में परिसीमन से जुड़े महिला कोटा विधेयक पर चर्चा होने की संभावना है। गौरतलब है कि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने गुरुवार को आधिकारिक जानकारी देते हुए बताया था कि सरकार ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से सोमवार, 30 नवंबर को और राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन से बुधवार, 2 दिसंबर को सदन की बैठक बुलाने का अनुरोध किया है। आवश्यक सरकारी कामकाज के तहत यह सत्र गुरुवार, 3 दिसंबर तक चल सकता है। कल होने वाली बैठक में पीएम मोदी मंत्रियों के साथ इसी संक्षिप्त लेकिन बेहद महत्वपूर्ण सत्र के कामकाज की समीक्षा करेंगे। सत्र की तैयारियों को लेकर प्रधानमंत्री मोदी पहले ही मंत्रियों को 15 दिसंबर से पहले अपने-अपने मंत्रालयों के सभी विधायी और प्रशासनिक कार्य पूरे करने तथा विदेश यात्राओं से बचने की सलाह दे चुके हैं।

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश: ज्यादा चीनी, नमक और फैट वाले खाद्य पदार्थों पर चेतावनी लेबल अनिवार्य



नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने खाने-पीने की पैकेट वाली चीजों पर वॉर्निंग सिंबल यानी खतरे का निशान लगाने को कहा है। जिन चीजों में चीनी, नमक या फैट ज्यादा होगा, उनके पैकेट पर अलग-अलग लाल निशान लगाने होंगे। हर निशान छह कोनों वाला होगा। उसमें संबंधित चीज की तस्वीर के साथ 'हाई शुगर', 'हाई सॉल्ट' या 'हाई फैट' लिखा होगा। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने केंद्र सरकार और स्वास्थ्य को ये निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा कि चीनी की मात्रा का पता लगाने के लिए कुल शुगर और फैट का पता लगाने के लिए सैचुरेटेड फैट को आधार बनाया जाए।

FSSAI को वैज्ञानिक जांच के आधार पर इनकी तय सीमा फिर से तय करनी होगी। यह मामला '3एस एंड आवर हेल्थ सोसाइटी' नाम के एक पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से दायर जनहित याचिका से जुड़ा है। 3एस एंड अवर हेल्थ सोसाइटी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाकर डिब्बा बंद या पैकेट वाले खाने पर अनिवार्य वार्निंग लेबल लगाने की मांग की थी। कोर्ट ने 28 सितंबर को इस मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया था। याचिकाकर्ता की ओर से एडवोकेट राजीव शंकर द्विवेदी ने पैरवी की। FSSAI ने इसे अलग-अलग फेज में लागू करने का प्रस्ताव दिया था, ताकि इंडस्ट्री को अपने प्रोडक्ट्स को सुधारने का मौका मिले। फेज 1: उन प्रोडक्ट्स पर लाल लेबल लगेगा, जिनमें फैट, शुगर या साल्ट में से कोई भी 'दो या दो से अधिक' चीजें तय सीमा से ज्यादा होंगी। इसमें सभी अधिक मीठी कोल्ड ड्रिंक्स भी शामिल होंगी। फेज 2: यह नियम उन प्रोडक्ट्स पर भी लागू हो जाएगा, जिनमें इनमें से कोई 'एक' चीज भी ज्यादा मात्रा में होगी।

बाबा साहब के विचारों से युवाओं को जोड़ें : जितेंद्र सिंह

कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित संगोष्ठी में केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कांग्रेस पर साधा निशाना।

जयपुर (कासं)। भारतीय जनता पार्टी की ओर से संविधान गौरव दिवस के अवसर पर कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित संगो?ष्ठी में केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान का स्मरण करते हुए संविधान के मूल्यों, लोकतांत्रिक परंपराओं और सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई। कार्यक्रम में बाबा साहब के जीवन के स्मरणों पर आधारित प्रदर्शनी लगाई गई। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने संविधान गौरव दिवस संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर देशभर में संविधान गौरव दिवस व्यापक स्तर पर मनाया जा रहा है। यह बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के प्रति भाजपा और उसके विचार परिवार की श्रद्धा, सम्मान और प्रतिबद्धता का प्रतीक है।



उन्होंने कहा कि कांग्रेस की परिवारवादी राजनीति के चलते बाबा साहब, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और सरदार वल्लभभाई पटेल जैसे महान राष्ट्रनायकों के योगदान को अपेक्षित सम्मान नहीं मिला। प्रधानमंत्री मोदी ने इन महान विभूतियों को उनका उचित स्थान दिलाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने जो राष्ट्र नायकों को दरकिनार करने का पाप किया, उस पाप का प्रायश्चित के रूप में नरेंद्र मोदी ने पुन: सम्मान देकर उनकी प्रतिष्ठा स्थापना का काम किया है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने संसद भवन की सीढ़ियों पर नतमस्तक होकर संविधान को प्रणाम किया और संविधान के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का संदेश दिया। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाना, राम मंदिर निर्माण, सरदार पटेल की स्टैच्यू ऑफ यूनिटी और नेताजी सुभाष चंद्र बोस को सम्मान देना इसी राष्ट्रवादी दृष्टिकोण के उदाहरण हैं। आज आवश्यकता है कि बाबा साहब के विचारों और संविधान के मूल्यों को केवल आयोजनों तक सीमित न रखकर नई पीढ़ी तक पहुँचाया जाए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों में जाकर युवाओं को बाबा साहब के जीवन, संघर्ष और योगदान से परिचित कराएँ। उन्होंने कहा कि राष्ट्र प्रथम, पार्टी द्वितीय और स्वयं सबसे अंत में यह हमारा मूल मंत्र होना चाहिए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने लंबे समय तक संविधान की भावना के विपरीत कार्य करते हुए संवैधानिक संस्थाओं और लोकतांत्रिक मर्यादाओं को कमजोर किया। कांग्रेस ने 1975 में अपनी सत्ता बचाने के लिए आपातकाल लगाया गया। इस दौरान नागरिकों के मौलिक अधिकारों का दमन हुआ, प्रेस की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाए गए और वाजपेयी, आडवाणी एवं देसाई जैसे वरिष्ठ नेताओं को जेल में बंद किया गया। मीसा और डीआईआर जैसे कानूनों के तहत एक लाख से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत कर नई पीढ़ी को लोकतंत्र पर हुए इस हमले की याद दिलाने का कार्य किया है। इसी प्रकार 26 नवंबर 1949 को अंगीकृत हुए संविधान के स्मरण के लिए 2015 में मोदी जी ने संविधान गौरव दिवस मनाने की शुरूआत की। सीएम शर्मा ने कहा कि कांग्रेस ने बाबा साहब डॉ. अंबेडकर को भी उनके जीवनकाल में वह सम्मान नहीं दिया, जिसके वे अधिकारी थे। वर्ष 1951-52 और 1954 के चुनावों में उन्हें हराने का पाप किया। इसके विपरीत प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बाबा साहब से जुड़े पंचतीर्थों का विकास किया गया और उनके जीवन, संघर्ष एवं विचारों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठा दिलाई गई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस आज संविधान की बात करती है, लेकिन उसे अपने इतिहास और अपने आचरण का भी आत्ममंथन करना चाहिए। भाजपा सरकार दुष्प्रचार से विचलित होने वाली नहीं है। कांग्रेस झूठे नेरेटिव फैलाकर कुछ राजनीतिक लाभ ले सकती है, लेकिन जीत सत्य की होती है। अच्छी नियत, अच्छाई और सच्चाई से चलने से संकल्प मजबूत होता है और मजबूत संकल्प की जीत निश्चित है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की साढ़े आठ करोड़ जनता की आकांक्षाओं को पूरा करना हमारी जिम्मेदारी है। हम ना रूकेंगे, ना झूकेंगे और ना ही डरेंगे। प्रधानमंत्री मोदी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र के साथ प्रदेश सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए राजस्थान सरकार विकसित राजस्थान-2047 के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए सामाजिक न्याय, समानता, समावेश और जनकल्याण के मूल्यों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संविधान की गरिमा बनाए रखना और बाबा साहब के विचारों को जन-जन तक पहुँचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि संविधान की मर्यादा को अपने आचरण में उतारना, राष्ट्र की एकता और अखंडता को सर्वोपरि रखना तथा सामाजिक समरसता एवं समानता के मूल्यों को मजबूत करना हम सभी का संकल्प होना चाहिए।

सपा के 'पीडीए प्रणपत्र' में युवाओं को 25 लाख नौकरी, महिलाओं को 40 हजार सालाना पेंशन का वादा



लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरूवार को संविधान दिवस के मौके पर लखनऊ में एक जनसभा कर चुनावी घोषणापत्र जारी किया। सपा ने इसे 'जन-मन का मैनिफेस्टो' और 'पीडीए का प्रणपत्र' नाम दिया है।

अखिलेश यादव ने घोषणा पत्र जारी करने के दौरान कहा, कि अच्छे दिन नहीं आए, लेकिन बुरे दिन जाने वाले हैं। सपा ने घोषणापत्र के जरिए महिलाओं, युवाओं, किसानों और कर्मचारियों को साधने की तैयारी है। जानकारी के अनुसार, समाजवादी पार्टी ने घोषणा पत्र में 25 लाख युवाओं को नौकरी, बेरोजगारों को हर महीने 5 हजार देने जैसे बड़े वादे किए है।

5 साल में 25 लाख सरकारी नौकरी और 2-3 करोड़ निजी रोजगार का लक्ष्य : अखिलेश यादव ने 5 साल में 25 लाख सरकारी नौकरियां देने का लक्ष्य रखा है। इसके अलावा निजी क्षेत्र में दो से तीन करोड़ रोजगार के अवसर पैदा करने की बात कही है। इसके लिए उन्होंने नौकरी से जुड़े कौशल विकास की व्यवस्था करने और प्रदेश में राज्य शिक्षा नीति लागू करने का भी प्रस्ताव रखा है।

महिलाओं को हर साल 40 हजार रूपये पेंशन

महिलाओं को आर्थिक सहायता देने के लिए अखिलेश ने सालाना 40 हजार रूपये पेंशन देने का वादा किया है। खास तौर पर बुजुर्ग महिलाओं को इस योजना का लाभ देने की घोषणा की है। इसके जरिए महिलाओं की आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने की बात कही गई है।

गरीबों और पीडीए वर्ग को मुफ्त स्वास्थ्य सुविधाएं

समाजवादी पार्टी ने पीडीए और गरीब वर्ग के लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मुफ्त उपलब्ध कराने का वादा किया है। इसमें दवा, भोजन और रहने की सुविधा भी मुफ्त देने की बात शामिल है। लखनऊ स्थित कैंसर संस्थान को पूरी तरह संचालित करने, वहां शोध कार्य शुरू कराने और गरीब मरीजों का मुफ्त इलाज कराने का भी ऐलान किया गया है।

संविधान दिवस पर मोदी का विपक्ष पर हमला, बोले-

ओबीसी कोटे में कटौती कर मुसलमानों को आरक्षण देना चाहता है विपक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 नवंबर को संविधान दिवस के मौके पर विपक्ष पर जोरदार हमला बोला है। प्रधानमंत्री मोदी ने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा है कि विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी ओबीसी आरक्षण में कटौती कर मुसलमानों को आरक्षण देना चाहती है। हालांकि उन्होंने कांग्रेस या किसी अन्य पार्टी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनका निशाना कांग्रेस की तरफ ही था। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने लेख में लिखा कि बाबासाहेब आंबेडकर इसके सख्त खिलाफ थे। इस लेख में प्रधानमंत्री ने कई अन्य मुद्दों पर भी विपक्ष को घेरा।



प्रधानमंत्री मोदी ने यह लेख अपनी वेबसाइट पर पब्लिश की है। उन्होंने इसमें देशवासियों को संविधान की अहमियत बताया कि उनकी सरकार ने एक दशक पहले आज के दिन को संविधान दिवस मनाने का फैसला लिया था। प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा सरकार द्वारा किए गए संविधान संशोधनों का भी जिक्र किया और बताया कि कैसे इनसे लोगों की जिंदगी में बड़े बदलाव आए। इस दौरान उन्होंने जीएसटी और EWS के लिए 10 फीसदी आरक्षण के लिए किए गए संशोधनों का जिक्र किया। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे ओबीसी कोटे का जिक्र कर विपक्ष को घेरा। उन्होंने लिखा, ये बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी ओबीसी आरक्षण में कटौती करके मुसलमानों को आरक्षण देना चाहती है। हमारे संविधान निर्माता, खासकर डॉ बाबासाहेब आंबेडकर, इसके पूरी तरह खिलाफ थे। बता दें कि मौजूदा व्यवस्था के तहत केंद्र सरकार की नौकरियों और शिक्षण संस्थानों में अन्य पिछड़ा वर्ग यानी OBC के लिए 27 फीसदी आरक्षण का प्रावधान है। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे महिलाओं के आरक्षण वाले मामले पर भी विपक्ष पर हमला बोला। उन्होंने कहा, हमारे संविधान की यात्रा उन असाधारण महिलाओं के स्मरण के बिना भी अधूरी है, जिन्होंने इसे आकार देने में अहम भूमिका निभाई। लेकिन इस साल के शुरू में जो हुआ, उसने हम सभी को शर्मसार कर दिया। नारीशक्ति को विधायी संस्थाओं में पर्याप्त प्रतिनिधित्व देने के उद्देश्य से लाए गए विधेयक को विपक्ष के एक प्रमुख दल ने पारित नहीं होने दिया। एक बार फिर उसने दिखाया है कि संवैधानिक मूल्यों के प्रति उसके मन में कितना कम सम्मान है। मैं देश की नारीशक्ति को भरोसा दिलाता हूं कि उन्हें न्याय दिलाने के हमारे संकल्प को दुनिया की कोई ताकत रोक नहीं सकती।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारे संवैधानिक लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका स्पष्ट रूप से तय है। लेकिन आज विपक्ष अवरोध पक्ष बन गया है। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी आज विरोध पक्ष से ज्यादा अवरोध पक्ष बनती जा रही है। उसे समझना चाहिए कि लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में बाधा डालना, अपनी संवैधानिक जिम्मेदारियां निभाने का विकल्प कभी नहीं हो सकता। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे नक्सलवाद का जिक्र किया।

अलनीनो और मानसून की चुनौती के बीच खाद्यान्न का नया रिकॉर्ड

गेहूं-चावल की रिकॉर्ड उपज से मिली मजबूती

नई दिल्ली (एजेंसी)। अलनीनो, मानसून में देरी और बारिश में उतार-चढ़ाव के बावजूद खाद्यान्न उत्पादन ने नया कीर्तिमान बनाया है। 2025-26 में खाद्यान्न उत्पादन 3785.38 लाख टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष के मुकाबले 208.06 लाख टन अधिक है।

मौजूदा खरीफ सत्र में भी विपरीत मौसम के बावजूद 1671.43 लाख टन खाद्यान्न उत्पादन का अनुमान है, जो पिछले पांच वर्षों के औसत खरीफ उत्पादन से 97.67 लाख टन ज्यादा है। हालांकि, यह सरकार के सितंबर में तय किए गए 1962.10 लाख टन के खरीफ लक्ष्य से करीब 291 लाख टन कम है। फिर भी स्पष्ट है कि मौसम की मार ने उत्पादन की संभावनाओं को प्रभावित तो किया, लेकिन खाद्यान्न उत्पादन की रफ्तार पूरी तरह कम नहीं हो पाई। यह प्रथम अग्रिम अनुमान है और कटाई तथा आगे मिलने वाले आंकड़ों के आधार पर इनमें संशोधन संभव है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने गुरुवार को 2025-26 के प्रमुख कृषि उत्पादों के अंतिम अनुमान और 2026-27 के खरीफ सीजन के प्रथम अग्रिम अनुमान जारी किए। महत्वपूर्ण बात यह है कि पिछले वर्ष की रिकॉर्ड पैदावार के बाद भी पैदावार बढ़ी है।

चावल और गेहूं की उपज में वृद्धि ने इस उपलब्धि में बड़ी भूमिका निभाई है। 2025-26 में चावल का उत्पादन 1551.54 लाख टन और गेहूं का 1220.64 लाख टन रहा। दोनों फसलों ने अब तक का सर्वाधिक उत्पादन दर्ज किया। इससे देश के खाद्यान्न और समृद्ध हुआ।

हालांकि, मौसम की चुनौती अभी टली नहीं है। अलनीनो की आशंका और मानसून की अनिश्चितता को देखते हुए सितंबर में 2026-27 के खाद्यान्न उत्पादन लक्ष्य को घटाकर 3739.30 लाख टन कर दिया गया था।

खरीफ का पहला अग्रिम अनुमान भी इसी दबाव की ओर संकेत करता है। पिछले पांच वर्षों के औसत से बेहतर उत्पादन की उम्मीद जरूर है, लेकिन लक्ष्य से काफी पीछे रहना बताता है कि प्रतिकूल मौसम की भरपाई पूरी तरह नहीं हो सकी है। खरीफ उत्पादन में चावल की प्रमुख हिस्सेदारी रह सकती है।

चालू सत्र में 1219.05 लाख टन चावल पैदा होने की उम्मीद है। वहीं मोटे और पोषक अनाज का उत्पादन 381.05 लाख टन रह सकता है। मक्का की हिस्सेदारी 260.64 लाख टन होगी। इससे यह भी पता चलता है कि खाद्यान्न उत्पादन में अब केवल गेहूं और चावल ही नहीं, बल्कि मक्का एवं अन्य मोटे अनाज भी महत्वपूर्ण हैं। हालांकि, खरीफ के कुल उत्पादन अनुमान को पिछले पांच वर्षों के औसत से ऊपर बनाए रखने में इन फसलों की भूमिका कितनी रही है, इसका आकलन अंतिम आंकड़ों से ही स्पष्ट होगा। पिछले वर्ष में मक्का और दलहन का प्रदर्शन भी उल्लेखनीय रहा। मक्का उत्पादन 550.25 लाख टन तक पहुंच गया, जबकि दलहन उत्पादन 272.40 लाख टन रहा। मूंग ने 43.96 लाख टन के साथ रिकॉर्ड बनाया।

संसद का विशेष सत्र 30 नवंबर से, परिसीमन पर रहेगी नजर

एसआईआर सहित कई मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी में विपक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने 30 नवंबर को लोकसभा और बुधवार 2 दिसंबर को राज्यसभा का एक दिन का सत्र बुलाया है। सरकार ने इस दौरान आवश्यक सरकारी कामकाज निपटाने की बात कही है। कामकाज की जरूरतों को देखते हुए दोनों सदन की कार्यवाही 3 दिसंबर को समाप्त होने की संभावना है।

केंद्रीय संसदीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सोशल साइट एक्स पर पोस्ट कर जानकारी दी कि सरकार ने लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा सभापति से अनुरोध किया है कि वे आवश्यक सरकारी कामकाज निपटाने के लिए लोकसभा को सोमवार, 30 नवंबर को और राज्यसभा को बुधवार 2 दिसंबर को फिर से बुलाएं। कामकाज की जरूरतों को देखते हुए, दोनों सदनों की बैठक 3 दिसंबर को समाप्त हो सकती है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस घोषणा के मद्देनजर कांग्रेस शुक्रवार शाम 4.30 बजे दिल्ली में अपने 'संसदीय रणनीति समूह' की एक बैठक करेगी, जिसमें संसद के आगामी सत्र के लिए रणनीति पर चर्चा की जाएगी।

यह प्रस्तावित सत्र ऐसे समय में हो रहा है जब परिसीमन और महिला आरक्षण लागू करने की सरकारी योजनाओं को लेकर बहस चल रही है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के सूत्रों के हवाले से पहले यह भी खबर आई थी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में भी इस मुद्दे पर चर्चा हुई थी, जिसमें उन्होंने



मंत्रियों से संसद के आगामी सत्र के लिए तैयार रहने को कहा था।

संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026, जिसका उद्देश्य महिला आरक्षण के लागू होने को निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन से जोड़ना था, 17 अप्रैल को लोकसभा की एक विशेष बैठक के दौरान जरूरी दो-तिहाई बहुमत हासिल करने में विफल रहा। इस विधेयक के गिर जाने से परिसीमन की प्रक्रिया और लोकसभा के प्रस्तावित विस्तार पर सबका ध्यान गया है।

परिसीमन पर चल रही बहस में एक ऐसा प्रस्ताव भी शामिल है, जिसके तहत सभी राज्यों में लोकसभा सीटों की संख्या में 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी की जा सकती है। साथ ही, 1971 की जनगणना के आधार पर राज्यों के बीच सीटों का जो मौजूदा अनुपात है, उसे बनाए रखा जाएगा।

दोनों सदनों का ये सत्र ऐसे समय में हो रहा है जब विपक्षी दलों ने मतदाता सूचियों के 'विशेष गहन पुनरीक्षण' को लेकर चिंताएं जताई हैं। विपक्षी दलों ने इस प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं और उम्मीद है कि वे संसद में इस मुद्दे पर चर्चा की मांग करेंगे।

दैनिक लोकजीवन
जयपुर एवं भीलवाड़ा से एक साथ प्रकाशित
संस्थापक - स्व. श्री विश्वबन्धु जी तिवारी

जीवन की अंधी दौड़ में खोती मानवीय संवेदनाएं

आज मनुष्य के पास साधनों की कमी नहीं, लेकिन संबंधों को निभाने का धैर्य लगातार कम होता जा रहा है। संवाद की जगह प्रदर्शन ने ले ली है और आत्मीयता की जगह औपचारिकता ने। हम किसी के सुख में शामिल होते हैं तो उसके सुख से अधिक अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की चिंता रहती है। किसी के दुख में जाते हैं तो संवेदना व्यक्त करने से पहले यह सोचते हैं कि वहां कितनी देर रुकना उचित होगा। रिश्तों का मूल्य अब उनके भीतर छिपे प्रेम से नहीं, बल्कि उनसे मिलने वाले लाभ से तय होने लगा है। कभी मनुष्य की पहचान उसके व्यवहार, विचार और कर्म से होती थी। आज उसकी हैसियत इस बात से आंकी जाती है कि उसके संपर्क में कौन-कौन लोग हैं और उसकी पहुंच कितनी दूर तक है। सच बोलने वाला व्यक्ति असुविधाजनक लगने लगा है, जबकि झूठी प्रशंसा करने वाला अपना दिखाई देता है। इसीलिए समाज में ऐसे लोगों की संख्या बढ़ रही है, जो दूसरों को प्रसन्न रखने के लिए अपनी आत्मा तक को गिरवी रख देते हैं। उन्हें डर है कि कहीं उनकी प्रशंसा करने वालों की कतार छोटी न हो जाए।

विडंबना देखिए कि हम बच्चों को सफल होने की शिक्षा तो देते हैं, लेकिन अच्छा इंसान बनने की सीख देना भूलते जा रहे हैं। उन्हें प्रतिस्पर्धा करना सिखाते हैं, सहयोग करना नहीं। आगे निकलना सिखाते हैं, किसी गिरे हुए को उठाना नहीं। यही कारण है कि उपलब्धियों की लंबी सूची के बावजूद भीतर एक अजीब खालीपन पसरा हुआ है। शायद अब समय आ गया है कि हम अपनी जिंदगी की उपलब्धियों का हिसाब लगाने से पहले यह भी देखें कि इस दौड़ में हमने कितने रिश्ते, कितनी संवेदनाएं और कितनी मानवीय खूबियां पीछे छोड़ दी हैं। क्योंकि अंत में मनुष्य को बड़ा उसका पद, पुरस्कार या परिचय नहीं बनाता, बल्कि वह अपनापन बनाता है जो किसी के जीवन में उसके होने से पैदा होता है। आजकल इसकी चिंता कोई नहीं करता कि जीवन में से क्या भला खो गया। बस इसी दौड़ में मगन रहते हैं कि हमने इस अंधी दौड़ में क्या पा लिया। वैसे पाने के नाम पर है भी यहां क्या? चन्द स्वनाम-धन्य लोगों के साथ खड़े होकर चित्र खिंचवा लेना। अपना पैसा लगा कर पुस्तक छपवा लेना। किसी धंधेबाज आयोजक के यहां गोष्ठी करवा लेना या अपने द्वारा प्रेरित अमर लेखकों की सूची में अपना नाम डलवा लेना, हर वर्ष नाम का दर्जा बढ़वा लेना। अभिनंदन से लेकर पुरस्कार तक आजकल जुगाड़ से लिए जाते हैं। उन लोगों से लिए जाते हैं, जिनको स्वयं कभी जीवन में न कभी अभिनंदन मिला न पुरस्कार।

आजकल गढ़े मुर्दे की तरह अनजान लोगों को सम्मान दे, इनका मन गहगहा उठता है। इनकी उपकार की भावना जागती है। लेकिन यह तो इस बदलती सदी का चलन है, जिसके बारे में पहले सोचना भी अपराध था, आज वही इस भेडिया धसान भरी जिंदगी में लोगों की मंजिल बन गया। आपने मिलन कक्ष में चन्द अभ्यर्थना करते निर्जीव पुतलों के अट्टहास को खो दिया। उन्हें संगत वह पसन्द है जो आपका अभिनंदन कर सके। मौसम वह अच्छा लगता है जो आपकी चिरौरी कर सके। मुंह पर साफ बात कह देने वाले लोग उन्हें अच्छे नहीं लगते। उन्होंने उन्हें कोष्ठकों में डाल दिया। एक वह कोष्ठक जो उनके पीछे-पीछे उनका जयघोष करता हुआ जीता है, और वह दुत्कारा हुआ कोष्ठक जो अन्धों के शहर में आईने बेचने का प्रयास करता है। देखते ही देखते इस जीवन से कितना कुछ गायब हो गया। इस सिद्धांत विकृत होकर सबसे मुंह चुराने लगे। प्रेम रस की जगह स्वार्थ रस ने ले ली है जो बनावटी संवादों की नींव पर खड़ा है, उसके बेवफा होते हुए देर नहीं लगती। कभी करुणा रस की बात सुनते थे। किसी के जीवन की त्रासदी देख आंखों से आंसू बहते थे। इस रस के कारण तब आंसू बहाने वाले के मन में संकल्प जाग उठता कि यह सब ऐसे नहीं चलने देना है। इसे बदल देने के लिए वे अपनी जिंदगी कुर्बान कर देते। फांसी के फंदे को चूम लेते। इतिहास के पन्नों में अमर हो जाते! लेकिन आज वह इतिहास बेदखल हो गया। उसकी जगह ले ली हमारे मनभाते चुनिन्दा इतिहास ने। कुछ नायक अनायक बन गए, जो उनसे असहमत लोगों को भाते हैं।

कुछ अनायकों को नायक बना दिया क्योंकि वह उनकी अन्धी दौड़ या उखाड़ पछाड़ कर आगे बढ़ जाने वाली जिंदगी को उचित ठहराते हैं। जानते हो आजकल वीभत्स रस बेपरवाह लोगों का मनभाता रस बन गया है। अन्याय और क्रूरता के साथ किसी पिटते या मौत के हवाले होते व्यक्ति को देख कर उसे बचाते नहीं, केवल जेब से मोबाइल निकाल उसकी वीडियो फिल्म बनाते हैं। दूसरे घर में आग लगे तो उसे बुझाने के लिए भाग-दौड़ नहीं करते। सर्दी बहुत है कह कर उसे नापने चले जाते हैं। जीवन जीने के अंदाज बदल गए हैं। जिन्हें पहले साहित्य में विकृत कह कर नकारा जाता था, आज वही चरम सत्य बन गया। कुछ भी अघटनीय घट जाए, वे उससे चौंकते नहीं, 'सब चलता है' के नारे लगा उसे स्वीकार कर लेते हैं। क्या-क्या नहीं स्वीकारा जाने लगा। आज मां-बाप से स्नेह पाने का आग्रह नहीं, उनकी संपदा पर नजर लग गई। बड़े भाई ने अपना पेट काट-काट कर उन्हें पढ़ाया, तो समय पडने पर उसकी अवहेलना करके कह दिया, 'यह उसका अपना चुनाव था। मेरे कृतज्ञ होने का काम क्या?' जी हां, कृतज्ञता, संवेदना, भावुकता आदि शब्द जिंदगी से गायब हो गए।

बढ़ते वाहन, सिकुड़ती सड़कें और बेहाल यातायात

आज शिमला, धर्मशाला, पालमपुर, मंडी, कुल्लू, सोलन, ऊना, कांगड़ा, बीड़ और बैजनाथ-पपरोला जैसे शहरों में यातायात जाम आम समस्या बन चुका है। पर्यटन सीजन, त्योहारों, मेलों और विवाह समारोहों के दौरान स्थिति और विकट हो जाती है। भारत सरकार के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी देश के पहले नेशनल हाउसहोल्ड ट्रैवल सर्वे 2025-26 के मुताबिक भारत में 42.6 फीसदी लोग दोपहिया से, 28.3 फीसदी पैदल, 10.7 फीसदी साइकिल से, 6.7 बस से, 6.4 फीसदी ऑटो रिक्शा से और मात्र तीन प्रतिशत लोग अपने कार्यस्थल तक पहुंचने के लिए वाहनों का इस्तेमाल करते हैं।

परिवहन विभाग के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2016 में प्रदेश में कुल 1237128 वाहन पंजीकृत थे, जो 20 जनवरी 2026 तक बढ़कर 2448291 हो गए। यानी लगभग दस वर्षों में वाहनों की संख्या करीब दोगुनी हो गई है। परिवहन विभाग के अनुसार प्रदेश में पंजीकृत वाहनों में दोपहिया वाहनों की संख्या 1285182 और निजी कारों की संख्या 804582 है। इसके अतिरिक्त 185645 गुड्स कैरियर, 42011 मोटर कैब और हजारों बसें, ट्रैक्टर तथा अन्य श्रेणियों के वाहन भी सडक़ों पर दौड़ रहे हैं। केंद्रीय सडक़ परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के वाहन पोर्टल के आंकड़ों के मुताबिक जनवरी से अक्टूबर 2026 तक ही प्रदेश में 144375 नए वाहनों का पंजीकरण हुआ। इनमें 68954 दोपहिया और 57583 कारें शामिल हैं। ये आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि निजी परिवहन पर लोगों की निर्भरता लगातार बढ़ रही है। पहाड़ी क्षेत्रों में बसों की समयसारिणी और सुविधाजनक परिवहन विकल्पों की कमी भी लोगों को निजी वाहन खरीदने के लिए प्रेरित करती है। इसके लिए सबसे पहले शहरी नियोजन में यातायात को प्राथमिकता देनी होगी। नए व्यावसायिक भवनों और आवासीय कॉलोनियों की स्वीकृति देते समय पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था अनिवार्य की जानी चाहिए। बाजारों में सड़क किनारे खड़े वाहनों के कारण लगने वाले जाम से निपटने के लिए अलग पार्किंग स्थल विकसित करना जरूरी है। छोटे शहरों में ई-रिक्शा और टैक्सी संचालन के लिए भी निश्चित रूट और ठहराव स्थल तय किए जाने चाहिए। सार्वजनिक परिवहन को सुविधाजनक और समयबद्ध बनाए बिना निजी वाहनों पर निर्भरता कम करना संभव नहीं होगा। ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों में आने वाले लोगों के लिए बसों की संख्या और फेरे बढ़ाने पर भी विचार करना चाहिए।

इसके साथ ही स्कूलों, अस्पतालों और सरकारी कार्यालयों के आसपास यातायात प्रबंधन की विशेष व्यवस्था होनी चाहिए। पर्यटन स्थलों पर सीजन के दौरान अतिरिक्त पार्किंग, शटल बस और वन-वे यातायात व्यवस्था लागू की जा सकती है। स्थानीय प्रशासन को अतिक्रमण हटाने के अभियान नियमित रूप से चलाने होंगे, ताकि सड़कें केवल आवागमन के लिए इस्तेमाल हों। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई के साथ आम नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना भी जरूरी है।

आज शिमला, धर्मशाला, पालमपुर, मंडी, कुल्लू, सोलन, ऊना, कांगड़ा, बीड़ और बैजनाथ-पपरोला जैसे शहरों में यातायात जाम आम समस्या बन चुका है। पर्यटन सीजन, त्योहारों, मेलों और विवाह समारोहों के दौरान स्थिति और विकट हो जाती है। भारत सरकार के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी देश के पहले नेशनल हाउसहोल्ड ट्रैवल सर्वे 2025-26 के मुताबिक भारत में 42.6 फीसदी लोग दोपहिया से, 28.3 फीसदी पैदल, 10.7 फीसदी साइकिल से, 6.7 बस से, 6.4 फीसदी ऑटो रिक्शा से और मात्र तीन प्रतिशत लोग अपने कार्यस्थल तक पहुंचने के लिए वाहनों का इस्तेमाल करते हैं। इस समस्या का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष पार्किंग व्यवस्था है। शहरों और कस्बों में व्यावसायिक गतिविधियां तथा आवासीय निर्माण बढ़ते गए, लेकिन नियोजित पार्किंग स्थलों का विकास उसी अनुपात में नहीं हुआ।

परिणामस्वरूप सडक़ें ही पार्किंग स्थल बन गई हैं। पार्किंग की समस्या का समाधान केवल चालान काटने से नहीं होगा। प्रत्येक नगर निकाय को वर्तमान और भविष्य की वाहन संख्या का आकलन करके बहुमंजिला पार्किंग, सार्वजनिक पार्किंग स्थल और निर्धारित पार्किंग जोन विकसित करने होंगे। बाजारों में माल उतारने और चढ़ाने के लिए भी निश्चित समय तथा स्थान निर्धारित किए जाने चाहिएं। बढ़ते वाहनों का संबंध केवल जाम से नहीं, बल्कि सडक़ सुरक्षा से भी है। वर्ष 2024 में प्रदेश में 2156 सडक़ दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 869 लोगों की जान गई और 3226 लोग घायल हुए। पहाड़ी मार्गों पर क्रैश बैरियर, उचित साइन बोर्ड, ब्लैक स्पॉट सुधार और आपातकालीन चिकित्सा सुविधाओं को प्राथमिकता देना आवश्यक है। नागरिकों की जिम्मेदारी भी कम नहीं है, अपने घरों के बाहर गलियों की जमीनों पर अनधिकृत कब्जों के चलते संकरी गलियों से छोटे वाहनों की आवाजाही में भी रुकावट पैदा होती है और वैकल्पिक जीप योग्य मार्गों के निर्माण हेतु लोग जमीन छोडने के लिए तैयार नहीं होते हैं। ऐसे में हिमाचल प्रदेश मंत्रिमंडल का सार्वजनिक रास्तों, गांवों के पैदल मार्गों और सडक़ों पर अवैध कब्जा कर आवागमन बाधित करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का फैसला सराहनीय है।

इसके तहत 50000 रुपए तक जुर्माना लगाया जा सकेगा। तहसीलदार और कार्यकारी/उपमंडल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) को मौके पर कार्रवाई करने और जुर्माना लगाने के अधिकार दिए गए हैं। हिमाचल प्रदेश की विकास यात्रा में सडक़ें हमेशा महत्वपूर्ण आधार रही हैं, लेकिन अब चुनौती केवल गांव-गांव सडक़ पहुंचाने की नहीं, बल्कि उपलब्ध सडक़ों को चौड़ा, सुरक्षित, सुगम और यातायात के अनुकूल बनाए रखने की है। सरकार को वाहनों की बढ़ती संख्या के अनुपात में सडक़, पार्किंग और सार्वजनिक परिवहन की दीर्घकालिक योजनाएं बनानी होंगी। पेट्रोलिंग पुलिस, ट्रैफिक पुलिस कर्मचारियों में वृद्धि के साथ उन्हें क्रेन और त्वरित आवागमन हेतु नवीन वाहनों से लैस करने की भी जरूरत है। विकास का वास्तविक अर्थ यह नहीं कि प्रत्येक घर में कई वाहन हों, बल्कि यह है कि आम नागरिक बिना जाम, दुर्घटना और अनावश्यक परेशानी के सुरक्षित अपने गंतव्य तक पहुंच सके। यदि समय रहते इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में हिमाचल की खूबसूरत वादियों में विकास की भागती गाडियों के बीच सडक़ें ही सबसे बड़ी बाधा बन जाएंगी। अब जरूरत केवल सडक़ों की लंबाई बढ़ाने की नहीं, बल्कि उन सडक़ों के चौड़ाईकरण, यातायात प्रबंधन की सोच और जाममुक्त व्यवस्था को भी विकसित करने की है।

प्रदेश में सडक़ों को विकास की भाग्य रेखाएं कहा जाता है। प्रदेश के निर्माता एवं प्रथम मुख्यमंत्री डा. वाईएस परमार ने पहाड़ी राज्य की आर्थिक और सामाजिक प्रगति के लिए सडक़ संपर्क को अनिवार्य बताया था। उनके दूरदर्शी प्रयासों और बाद की सरकारों की नीतियों के परिणामस्वरूप आज प्रदेश के दूरदराज के गांव भी सडक़ सुविधा से जुड़ चुके हैं। लेकिन विकास की यही उपलब्धि अब एक नई चुनौती के रूप में सामने खड़ी है।

सडक़ों का विस्तार जिस गति से हुआ है, उससे कहीं अधिक आज तेजी से वाहनों की संख्या बढ़ रही है। नतीजतन प्रदेश के शहरों, कस्बों और बाजारों में यातायात जाम, पार्किंग की कमी और सडक़ दुर्घटनाओं की समस्याएं लगातार गंभीर होती जा रही हैं।

पहली बार आयोजित होगा दो दिवसीय माउंट आबू बर्ड फेस्टिवल, 400 विद्यार्थी लेंगे भाग

28 नवंबर से सजेगा पक्षियों का संसार, देशभर के विशेषज्ञ करेंगे जैव विविधता और संरक्षण पर मंथन

जयपुर (कासं)। अरावली की सुरम्य वादियों में बसे राजस्थान के एकमात्र हिल स्टेशन माउंट आबू में प्रकृति, पक्षियों और जैव विविधता का अनूठा उत्सव सजने जा रहा है। यहां पहली बार 28 और 29 नवंबर को दो दिवसीय 'माउंट आबू बर्ड फेस्टिवल-2026' आयोजित होगा। पक्षियों के संरक्षण, प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा और नई पीढ़ी में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से होने वाले इस महोत्सव में देश के जाने-माने पक्षी विशेषज्ञ, वैज्ञानिक, प्रकृतिविद्, वन्यजीव संरक्षणकर्ता और पक्षी प्रेमी जुटेंगे। करीब 400 विद्यार्थियों की सहभागिता भी इस आयोजन का विशेष आकर्षण होगी।

ग्रीन पीपल सोसायटी (जीपीएस), उदयपुर के तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस महोत्सव को राजस्थान वन विभाग, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की आंतरिक सुरक्षा अकादमी और डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया का सहयोग मिलेगा। आयोजन स्थल माउंट आबू स्थित सीआरपीएफ की आंतरिक सुरक्षा अकादमी का परिसर निर्धारित किया गया है।

ग्रीन पीपल सोसायटी के अध्यक्ष एवं रिटायर्ड सीसीएफ राहुल भटनागर ने बताया कि महोत्सव का उद्घाटन समारोह 28 नवंबर को सुबह 11:30 बजे आंतरिक सुरक्षा अकादमी (आईएसए), माउंट आबू में आयोजित होगा। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में जोधपुर कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. वीरेंद्र सिंह जाटावत, राजस्थान के मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक आईएफएस शशि शंकर पाठक, 23 राजपूत के कर्नल जितेंद्र सिंह तोमर, सिरोही जिला कलेक्टर रोहिताश, सीआरपीएफ आंतरिक सुरक्षा अकादमी के कमांडेंट महेंद्र कुमार तथा आबू नगरपालिका बोर्ड के अध्यक्ष सुनील आचार्य शामिल होंगे।

भटनागर ने बताया कि यह आयोजन क्षेत्र के प्रसिद्ध प्रकृतिविद् एवं पक्षी प्रेमी स्वर्गीय अनिल माथुर की स्मृति को समर्पित है। उनके प्रकृति संरक्षण के प्रति योगदान और समर्पण को याद करते हुए महोत्सव के माध्यम से पक्षियों एवं प्राकृतिक विरासत के संरक्षण का संदेश दिया जाएगा।

चार विशेषज्ञ देंगे पक्षियों और वन्यजीव संरक्षण पर व्याख्यान

सोसाइटी के उपाध्यक्ष एवं रिटायर्ड आईएएस विक्रम सिंह ने बताया कि महोत्सव का प्रमुख आकर्षण 28 नवंबर को दोपहर 2:45 से शाम 5 बजे तक आयोजित होने वाला तकनीकी सत्र होगा। इसमें देश के चार प्रतिष्ठित विशेषज्ञ पक्षियों, वन्यजीवों और प्राकृतिक पारिस्थितिकी से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार साझा करेंगे।

डॉ. रजत भार्गव - पक्षी विज्ञानी

राजस्थान में संकटग्रस्त ग्रीन अवदावत के संरक्षण पर व्याख्यान देंगे। वे स्वतंत्र पक्षी विज्ञानी हैं और बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी (बीएनएचएस) में सहायक निदेशक के पद पर कार्य कर चुके हैं।

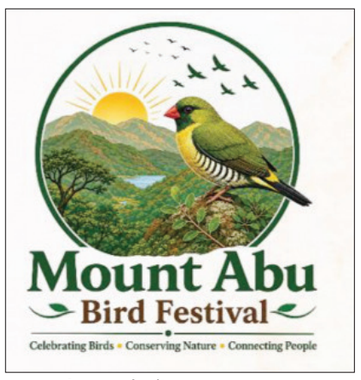

डॉ. सुतिर्था दत्ता - पारिस्थितिकीविद्

'द अम्ब्रेला कॉल्ड बस्टर्ड' विषय पर व्याख्यान देंगे। वे भारतीय वन्यजीव संस्थान से जुड़े वैज्ञानिक हैं और ग्रेट इंडियन बस्टर्ड की पारिस्थितिकी एवं संरक्षण पर शोध कर चुके हैं।

अभिषेक रे - संगीतकार एवं वन्यजीव संरक्षणकर्ता

'बाघ : द इनसाइड स्टोरी' विषय पर अपनी बात रखेंगे। फिल्म संगीत और वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में सक्रिय अभिषेक रे ने सीताबनी वन्यजीव अभयारण्य के संरक्षण एवं विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

विजयादित्य सिंह राठौड़ - वन्यजीव जीववैज्ञानी एवं लेखक

'कृषि परिवर्तन और थार मरुस्थल में अकशेरुकी एवं पक्षी अकशेरुकी जीवों का पतन' विषय पर व्याख्यान देंगे। वे वन्यजीव फिल्म निर्माण के माध्यम से प्राकृतिक दुनिया की कहानियां सामने लाने के लिए भी सक्रिय हैं। महोत्सव का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रकृति और पक्षियों की दुनिया से जोड़ना है। प्रदेश के विभिन्न विद्यालयों के करीब 400 विद्यार्थियों को आयोजन में शामिल करने की योजना है। इनके लिए चित्रकला प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी और जागरूकता संबंधी गतिविधियां आयोजित होंगी। विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में बर्ड वॉक और बर्ड ट्रेल के माध्यम से विद्यार्थी प्राकृतिक परिवेश में पक्षियों की पहचान, उनके व्यवहार और आवास के बारे में व्यावहारिक जानकारी प्राप्त करेंगे। आयोजकों का प्रयास है कि विद्यार्थियों में पक्षियों के प्रति केवल जिज्ञासा ही नहीं, बल्कि उनके संरक्षण की जिम्मेदारी का भाव भी विकसित हो। इसके लिए विद्यालयों में पक्षी क्लब बनाने और दीर्घकालीन संरक्षण गतिविधियों को प्रोत्साहित करने की योजना भी है।

पक्षी विशेषज्ञ डॉ. सतीश शर्मा ने बताया कि माउंट आबू वन्यजीव अभयारण्य अपनी विशिष्ट जलवायु, हरियाली और समृद्ध जैव विविधता के लिए जाना जाता है। यहां 250 से अधिक पक्षी प्रजातियां दर्ज की गई हैं। ग्रीन मुनिया, इंडियन पैराडाइज फ्लाईकैचर, क्रेस्टेड सर्पेंट ईगल और इंडियन पिट्टा जैसी प्रजातियां पक्षी प्रेमियों के लिए विशेष आकर्षण हैं। अरावली की ऊंची पहाड़ियों, वन क्षेत्रों और विविध प्राकृतिक आवासों के कारण माउंट आबू पक्षी अवलोकन के लिए राजस्थान के महत्वपूर्ण स्थलों में शामिल है। बर्ड फेस्टिवल के जरिए इस प्राकृतिक विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के साथ ही इसके सामने मौजूद पर्यावरणीय चुनौतियों पर भी चर्चा होगी।

ग्रीन पीपल सोसायटी की योजना इस महोत्सव को केवल दो दिवसीय उत्सव तक सीमित रखने की नहीं है। इसे वार्षिक संरक्षण अभियान के रूप में विकसित करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। इसके तहत पक्षी गणना, ई-बर्ड के माध्यम से नागरिक विज्ञान को बढ़ावा देने, विद्यालयों में बर्ड क्लब स्थापित करने, प्राकृतिक आवासों के पुनर्स्थापन और संरक्षण संबंधी व्याख्यान जैसी गतिविधियां प्रस्तावित हैं। आयोजन को प्लास्टिक मुक्त और पर्यावरण अनुकूल बनाने पर भी विशेष जोर रहेगा। इससे स्थानीय युवाओं, प्रकृति गाइडों और पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों को प्रकृति आधारित पर्यटन के नए अवसर मिलने की उम्मीद है।

माउंट आबू में पहली बार होने जा रहा यह बर्ड फेस्टिवल राजस्थान की प्राकृतिक संपदा को नई पहचान देने के साथ ही पक्षी संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो सकता है।

दिल्ली की हवा में जहर, दावों और उपायों में उलझी सरकारें

सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें मोदी दिल्ली के प्रदूषण और सर्दियों के मौसम को लेकर बात करते नजर आ रहे हैं। इस वायरल वीडियो में नरेंद्र मोदी यह कहते हुए सुनाई देते हैं- 'इन्होंने दिल्ली का क्या हाल करके रख दिया है? जैसे ही सर्दियां आती हैं, इस प्रदूषित हवा में सांस लेना मुश्किल हो जाता है। इन लोगों ने दिल्ली के हर मौसम को एक आपदा में बदल दिया है।' इसी तरह मोदी का एक वीडियो और भी है। यह 12 दिसंबर 2025 का संसदकालीन सत्र से पहले का है। मोदी ने संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन मीडिया को संबोधित किया था। उन्होंने दिल्ली के भीषण प्रदूषण को लेकर तंज कसते हुए कहा था कि, 'आप भी मौसम का मजा लीजिए', और फिर संसद को 'नाटक' करने की जगह नहीं बल्कि 'कार्य निष्पादन' की जगह बताते हुए अपना भाषण शुरू किया था। यह बात कहते हुए मोदी शायद यह भूल गए कि वे देश के प्रधानमंत्री हैं। केंद्र में लगातार तीसरी बार भाजपा गठबंधन की सरकार है और मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने हैं। दिल्ली राज्य में भाजपा की सरकार है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने सोशल मीडिया पर केंद्र और भाजपा शासित राज्यों को घेरते हुए सवाल उठाया कि 'हम वायु प्रदूषण में 'विश्व गुरु' क्यों बनते जा रहे हैं?' उन्होंने दिल्ली में वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्रों से पीएम 2.5 के आंकड़ों के गायब होने और पिछले साल के प्रदूषण नियंत्रण उपायों पर भी सवाल खड़े किए। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी पर तंज कसते हुए दावा किया कि भारत को विश्व गुरु बनाने के दावों के बीच देश प्रदूषण के मामले में भी शीर्ष पर पहुंच गया है और उन्होंने भारत में प्रदूषण से हर साल बड़ी संख्या में लोगों की मौत का हवाला दिया। दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) बार-बार 'बहुत खराब' से 'खतरनाक' श्रेणी में दर्ज किया गया है, कुछ क्षेत्रों में स्तर 440-500 से ऊपर दर्ज किए गए हैं।

स्विस एयर क्वालिटी मॉनिटर संस्था के ताजा आंकड़ों और रिपोर्ट्स के अनुसार दिल्ली को दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में बार-बार शीर्ष (नंबर-1) स्थान पर दर्ज किया गया है। नवंबर 2026 में दिवाली के आसपास दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक कुछ समय के लिए 581 से लेकर 1702 तक के खतरनाक स्तर को पार कर गया था, जो पाकिस्तान के लाहौर जैसे अन्य प्रदूषित शहरों से भी दोगुना से अधिक रहा। भारत में प्रदूषण की स्थिति दिन पर दिन खराब होती जा रही है। हाल



यह है कि दुनिया के 100 सबसे प्रदूषित शहरों में भारत के 91 शहर हैं। वास्तविक समय में हवा की गुणवत्ता और वायु प्रदूषण के स्तर की जानकारी देने वाली वेबसाइट एक्यूआई डॉट इन के आंकड़ों के मुताबिक, मंगलवार शाम 7 बजे पंजाब का फरीदकोट दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर रहा, जहां वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 605 दर्ज किया गया। इस सूची में पाकिस्तान के तीन और चीन के 6 शहर शामिल थे। हर साल दिवाली के बाद राजधानी में यही हाल होता है जब वायु गुणवत्ता सूचकांक खतरनाक स्तर तक बढ़ जाता है। भीषण प्रदूषण से अस्पतालों ने सांस संबंधी समस्याओं और कुछ मामलों में गंभीर फेफड़ों की बीमारियों से पीड़ित मरीजों की संख्या में अचानक वृद्धि दर्ज की है। दिल्ली निवासियों को स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि यदि वे आर्थिक रूप से सक्षम हैं तो शहर छोड़ दें, या यथासंभव घर के अंदर रहें और लगातार एयर प्यूरीफायर का उपयोग करें। इस वर्ष दीपावली से पहले से ही आधारभूत प्रदूषण पिछले वर्षों की तुलना में अधिक रहा। प्रदूषण के स्रोतों पर नियंत्रण अपर्याप्त रहा। यदि सर्दियों की शुरुआत में हवा की गुणवत्ता साफ होती और पराली जलाने तथा पटाखों से होने वाली अचानक वृद्धि पर रोक लगाते तो मौसमी बदलावों से इतना गंभीर प्रदूषण नहीं फैलता। भारतीय ऊष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) के मॉडल के अनुसार, दिवाली के अगले दिन दिल्ली के प्रदूषण में 80 प्रतिशत से ज्यादा योगदान पटाखों के धुएं का था। शहर पहले से ही कई स्रोतों से प्रदूषण झेल रहा था, फिर भी आतिशबाजी का असर साफ दिखा। प्रदूषण रोकथाम के लिए पूरे वर्ष प्रभावी कदम उठाने की जगह ग्रेप के अलग-अलग चरण लागू कर वाहनों की आवाजाही और निर्माण पर रोक लगाने सहित कई तरह के प्रतिबंध लागू कर दिए जाते हैं, लेकिन इससे दिल्ली की हवा साफ होने की जगह और जहरीली हो रही है।

सेंटर फार साइंस एंड एनवायरनमेंट (सीएसई) के नए विश्लेषण का भी यही निष्कर्ष है। इस लापरवाही के कारण राजधानी की हवा दीपावली से पहले ही अन्य वर्षों की तुलना में अधिक प्रदूषित रही। लेकिन सीएसई की रिपोर्ट बताती है कि राजधानी में प्रदूषण वाहनों से होने वाले उत्सर्जन और अन्य आंतरिक कारण हैं। छह नवंबर को जब दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) सबसे अधिक 382 था, तब पराली के धुएं का योगदान मात्र 8 प्रतिशत के आसपास था। सुप्रीम कोर्ट भी दिल्ली के प्रदूषण के मामले में लकीर का फकीर बना हुआ है। यह समस्या नई नहीं है। दशकों से चली आ रही है और सुप्रीम कोर्ट लाचार साबित हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई करते हुए लोगों पर तंज भी कस दिया कि मौसम का मजा आ रहा है। यह भी कह दिया जब तक लोग जागरूक नहीं होंगे तब तक प्रदूषण की समस्या का समाधान नहीं होगा। इस प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक महीने में दो मामले पहुंचे हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने संबंधित पक्षों से जवाब मांगा है।

अब बड़ा सवाल है पीएम मोदी की उस घोषणा का, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाना है। क्या यह राष्ट्र नक्शे में ही बनेगा, क्या तब तक लोग स्वस्थ और जिंदा रह पाएंगे। क्या साल 2047 तक ऐसे ही प्रदूषण की मार झेलनी पड़ेगी, जबकि इस वक्त दिल्ली में डबल इंजन की सरकार है। जब तक सडक़ों पर वाहनों की कुल संख्या घटाने, सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने और पूरे एनसीआर में पूरे वर्ष कठोर कदम उठाने की रणनीति नहीं अपनाई जाएगी, तब तक दिल्ली को इस दमघोंटू स्थिति से मुक्ति मिलना कठिन है।

लोकसभा और दिल्ली विधानसभा

घर में बने इन फेस पैक से पाएं ऑयली स्किन की प्रॉब्लम्स से छुटकारा



ऑयली स्किन के लिए मार्केट में कई तरह के ऑयल फ्री सनस्क्रीन क्लींजर्स जेल और क्रीम मौजूद हैं जो हर तरह की प्रॉब्लम्स को कंट्रोल कर लेते हैं लेकिन घर में बने ये मास्क हैं बेस्ट गर्मियों में सनबर्न के साथ ही चेहरे पर पिंपल्स, दाग-धब्बों की समस्या बहुत ही आम होती है, वो भी जब आपकी स्किन ऑयली हो। जिससे बचने के लिए हम कई तरह महंगे प्रोडक्ट्स और ट्रीटमेंट पर अच्छे-खासे पैसे इनवेस्ट करते हैं। ऑयली स्किन के लिए मार्केट में कई तरह के ऑयल फ्री सनस्क्रीन, क्लींजर्स, जेल और क्रीम मौजूद हैं जो काफी हद तक इन प्रॉब्लम्स को कंट्रोल कर लेते हैं। लेकिन इसके अलावा भी इन्हें काफी देखभाल की जरूरत होती है। किचन में मौजूद कुछ चीज़ों की मदद से आप इन प्रॉब्लम्स को कर सकते हैं रफूचक्कर। ऑयली स्किन के लिए घर में बनाएं ये फेस पैक

सेब + शहद



सेब के गूदे में तीन चम्मच शहद मिलाएं और उसे चेहरे पर लगा लें। 20 मिनट के बाद पानी से धो लें। शहद चेहरे की एक्स्ट्रा ऑयल को सोखकर ब्लैक हेड्स और व्हाइट हेड्स की समस्या से छुटकारा दिलाता है।

ओटमील + एलोवेरा

एलोवेरा में मौजूद एंटी-इन्फ्लेमेटरी एलिमेंट पिंपल्स, टैनिंग और इन्फेक्शन्स जैसी कई सारे तत्व होते हैं इसलिए इसका इस्तेमाल मेडिकल ट्रीटमेंट के लिए भी किया जाता रहा है। ओटमील पाउडर को एलोवेरा जेल में अच्छे से मिलाकर चेहरे पर मसाज करें। 3 से 5 मिनट तक मसाज करने के बाद इसे हल्का सूखने दें। उसके बाद इसे पानी से धो लें। ऑयली स्किन के लिए यह बेहतरीन नुस्खा है। इस नेचुरल स्क्रब से त्वचा की अंदरूनी सफाई होती है। इससे डेड स्किन के साथ ही ब्लैक हेड्स और व्हाइट हेड्स की समस्या भी दूर हो जाती है।

केला + शहद

आधा पके हुए केले को मैश कर उसमें एक चम्मच शहद और नींबू का रस मिक्स करें। इसे चेहरे पर लगाकर 20 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर गर्म तौलिए या पानी की सहायता से साफ करें। नींबू नेचुरल क्लींजर का काम करता है। यह स्किन के एक्स्ट्रा ऑयल को सोख लेता है, साथ ही टैनिंग की समस्या से भी निजात दिलाता है।

अंडे का फेस पैक

अंडे को चेहरे पर लगाने से कसाव बना रहता है। साथ ही, ये एक्स्ट्रा ऑयल सोखने का भी काम करता है। अंडे को तोड़कर उसके व्हाइट और येलो हिस्से को अलग कर लें। अब रूई की सहायता से पीले हिस्से को चेहरे पर अच्छे से लगाएं। 10 मिनट रखने के बाद ठंडे पानी से धो लें। स्किन को ग्लोइंग बनाने के लिए भी अंडे का फेस मास्क बहुत ही अच्छा होता है, साथ ही हेल्दी भी।

मैंगो मास्क

पके हुए आम के गूदे को अच्छे से मसलकर उससे चेहरे का मसाज करें। 10 मिनट लगाने के बाद इसे पानी से धो लें। मैंगो मास्क चेहरे को पोर्स को खोलता है, जिससे उसे भरपूर मात्रा में ऑक्सीजन मिलती है।

पेपरमिंट टोनर

पेपरमिंट में मौजूद एस्ट्रीजेंट बहुत ही अच्छे टोनर का काम करता है। यह पिंपल, मुहांसे, खुजली, टैनिंग जैसी कई समस्याओं को दूर करने के साथ ही स्किन को कूल भी रखता है। इसे बनाने के लिए पुदीने की पत्तियों को पानी में उबाल लें। ठंडा होने के बाद इसे कॉटन की सहायता से चेहरे पर लगाएं और फर्क देखें।



रिलेशनशिप में मिला है धोखा? जानिए कैसे लोग करते हैं बेवफाई

दुनियाभर में कई नए शोध होते रहते हैं और इनसे हर बार नई बात सामने आती है। रिलेशनशिप पर भी इसी तरह के कई शोध हो चुके हैं। हालांकि हर शोध में कुछ अलग रिजल्ट होता है, लेकिन इनमें कहीं न कहीं कुछ सच्चाई भी छिपी होती है। हाल ही में रिलेशनशिप में धोखे को लेकर भी एक ऐसा ही शोध सामने आया है। कई लोगों को इस रिसर्च में शामिल किया गया था। इसमें बताया गया है कि कैसे लोग आपको धोखा दे सकते हैं और उनकी क्या आदतें होती हैं। इस ऑनलाइन मार्केट रिसर्च में बताया गया है कि हर पांच में से एक व्यक्ति अपने पार्टनर को धोखा देता है। लेकिन उनकी इन आदतों से आप उनके धोखे को पकड़ सकते हैं।

30 की उम्र में अधिक संभावना

इस रिसर्च में बताया गया है कि ज्यादातर 30 की उम्र में ही धोखा देने की अधिक संभावना होती है। इस उम्र में इंसान खुद को पूरा समझने लगता है और उसे दूसरे के प्रति ज्यादा आकर्षण महसूस होता है। इसमें बताया गया है कि महिलाएं 36 साल की उम्र में अधिक धोखा देती हैं।

बढ़ता जाता है सिलसिला

शोध में भी वही बात सामने आई है जिसे हम लोग भी अच्छी तरह से जानते हैं। कोई भी गलत काम अगर एक बार हो जाए तो लोगों को उसकी लत लग जाती है और यह सिलसिला शुरू हो जाता है। शोध में बताया गया है कि एक बार धोखा देने के बाद लोगों के दोबारा धोखा देने की संभावना बढ़ जाती है।

शारीरिक संतुष्टि भी बड़ा कारण

बताया जाता है कि धोखा देने की बड़ी वजह शारीरिक संतुष्टि भी होती है। जब कोई अपने पार्टनर से बेड पर संतुष्ट नहीं रहता तो वह किसी और की तरफ आकर्षित होता है। ऐसे लोग आसानी से किसी के साथ भी संबंध बना लेते हैं। जिसमें पार्टनर को धोखा देने की संभावना काफी बढ़ जाती है।

बदला लेने की भावना

जब कोई अपने पार्टनर के बारे में गलत बातें सुनता है या फिर उसे यकीन हो जाता है कि वह उसे चीट कर रहा है तो बदले की भावना में धोखा देने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में लोग बिना अपने पार्टनर से बात किए मान लेते हैं कि वह उन्हें चीट कर रहा है। इसके बाद वे खुद भी अपने पार्टनर को चीट करने लगते हैं।



ये हैं गुड़ के 10 अचूक फायदे

गुड़ स्वाद का ही नहीं बलकि सेहत का भी खजाना है। ऐसा इसलिए कहा जाता है क्योंकि अकसर डॉक्टर बेहतर स्वास्थ्य के लिए मीठे खासतौर से चीनी से दूर रहने की सलाह देते हैं, लेकिन गुड़ के साथ ऐसा कोई बंधन नहीं है। गुड़ न सिर्फ खाने में टेस्टी है बलकि यह कई औषधयि गुणों से भरपूर है। यह एक ऐसा सुपर फूड है जिसके फायदों के बारे बहुत कम लोग ही जानते हैं। आमतौर पर लोग सर्दियों के मौसम में ही इसका प्रयोग करते हैं, जबकि इसे साल भर खाया जा सकता है और शरीर को इसे ढेरों लाभ भी मिलते हैं। इसे आपको अपनी डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। यहां पर हम आपको गुड़ के ऐसे ही 10 बेजोड़ फायदों के बारे में बता रहे हैं

पेट के लिए गुणकारी

गुड़ पेट से संबंधति कई समस्याओं का रामबाण इलाज है। अगर आपको गैस या एसिडटी की शकियात है तो गुड़ खाने से लाभ मलिगा। वहीं, गुड़, सेंधा नमक और काला नमक मिलाकर खाने से खट्टी डकारों से छुटकारा मिल जाता है। भोजन के बाद गुड़ खाने से डाइजेशन अच्छा रहता है। गुड़ खाने से भूख भी खुलती है।

दूर करे खून की कमी

गुड़ आयरन का बहुत बड़ा स्रोत है। अगर आपका हिमोग्लोबिन कम है तो रोजाना गुड़ खाने से तुरंत लाभ मिलने लगेगा। गुड़ खाने से शरीर में लाल रक्त कोशकिाओं की मात्रा बढ़ जाती है। यही वजह है कि प्रेग्नेंट महिलाओं को डॉक्टर गुड़ खाने की सलाह देते हैं। एनिमिया के मरीजों के लिए तो गुड़ अमृत के समान है।

कंट्रोल रहेगा ब्लड प्रेशर

गुड़ ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने का काम भी करता है। खासतौर पर हाई ब्लड प्रेशर से परेशान लोगों को रोजाना गुड़ खाने की सलाह दी जाती है।

हड्डियां रहेंगी मजबूत

गुड़ में भरपूर मात्रा में कैलशियम और फास्फोरस पाया जाता है। यह दोनों तत्व हड्डियों को मजबूती देने में बेहद मददगार हैं। गुड़ के साथ अदरक खाने से जोड़ों के दर्द से छुटकारा मिलता है।

शरीर बनेगा मजबूत और एक्टिव

गुड़ शरीर को मजबूत और एक्टिव बनाए रखता है। शरीरिक कमजोरी दूर करने के लिए दूध के साथ गुड़ का सेवन करने से ताकत आती है और शरीर ऊर्जावान बना रहता है। अगर आपको दूध नहीं पसंद है तो एक कप पानी में पांच ग्राम गुड़, थोड़ा सा नींबू का रस और काला नमक मिलाकर सेवन करने से आपको थकान महसूस नहीं होगी।

सर्दी-जुकाम में कारगर

गुड़ सर्दी-जुकाम भगाने में काफी असरदार है। काली मिर्च और अदरक के साथ गुड़ खाने से सर्दी-जुकाम में आराम मिलत है। अगर किसी को खांसी की शकियात है तो उसे चीनी के बजाए गुड़ खाना चाहिए। गुड़ को अदरक के साथ गर्म कर खाने से गले की खराश और जलन में राहत मिलती है।

आंखों के लिए फायदेमंद

गुड़ का सेवन आंखों के लिए बहुत फायदेमंद है। गुड़ खाने से आंखों की कमजोरी दूर होती है। यही नहीं गुड़ आंखों की रोश्नी बढ़ाए रखने में बहुत मददगार है।

दिमाग के लिए गुणकारी

गुड़ आपके मूड को अच्छा बनाने का काम भी करता है। यही नहीं अगर आपको माइग्रेन की शकियात है तो रोजाना गुड़ खाने से बहुत फायदा होगा। नियमित रूप से गुड़ खाने से आपका दिमाग मजबूत बना रहेगा और याद्दाश्त भी अच्छी रहेगी।

त्वचा की देखभाल

आप यह जानकर हैरान रह जाएंगे कि गुड़ आपकी त्वचा को साफ रख उसकी देखभाल में अहम भूमिका निभाता है। जी हां, गुड़ शरीर से हानिकारक टॉक्सिन बाहर निकालने में मददगार है। इससे आपकी त्वचा साफ और स्वस्थ बनी रहती है। रोजाना गुड़ खाने से मुंहासों से छुटकारा मिल जाता है और चेहरा ग्लो करने लगता है।

पीरियड्स में असरदार

पीरियड्स के दौरान होने वाली परेशानियों से निजात पाने के लिए गुड़ खाना चाहिए।

प्रैग्नेंसी के दौरान डाइट में शामिल करें ये आहार, खून की कमी होगी पूरी

हरी सब्जियां

प्रैग्नेंसी के दौरान खून की कमी को पूरा करने के लिए अपनी डाइट में पालक, गाजर, मेथी, बींस स्प्राउट्स, सूरजमुखी के बीज और धनिया जैसी सब्जियां शामिल करें।

चुकंदर

आयरन की मात्रा से भरपूर चुकंदर का रस या इसे सब्जी, सलाद के रूप में रोजाना खाने से शरीर में खून की कमी नहीं होती।

सूखे मेवे

गर्भवस्था के दौरान खून की कमी को पूरा करने के लिए रोजाना सूखे मेवे खाने चाहिए। इससे ज्यादा देर तक पेट भरे रहने के साथ शरीर को ताकत भी मिलती है।

प्रैग्नेंसी के दौरान शरीर में हार्मानल बदलावों के कारण बहुत सी महिलाओं को खून की कमी से जूझना पड़ता है। इसलिए डॉक्टर कहने के बावजूद भी महिलाएं अपने खान-पान का ठीक से ख्याल नहीं रखती। प्रैग्नेंसी के दौरान खून की कमी मां और शिशु दोनों के लिए खतरनाक हो सकती है। आइए जानते है प्रैग्नेंसी के दौरान खून की कमी को पूरा करने के लिए आपको किन चीजों का सेवन करना चाहिए।



सेब और शहद

सेब पर शहद लगाकर कुछ दिनों तक इसका सेवन करने से भी प्रैग्नेंसी में खून की कमी नहीं होती।

अंगूर

विटामिन और आयरन के गुणों से भरपूर अंगूर के सेवन से भी प्रैग्नेंसी में खून की कमी को पूरा कर सकती है।

पालक

इस समस्या से निजात पाने के लिए गर्भवती महिलाओं को रोजाना पालक के जूस में शहद मिलाकर पीना चाहिए।

किशमिश

रात के समय एक गिलास पानी में किशमिश और थोड़ा नींबू का रस मिलाकर रख दें। सुबह इन किशमिश का सेवन करें। इससे खून की कमी दूर हो जाएगी।

मांस

प्रैग्नेंसी के दौरान डाइट में विटामिन बी-12 के गुणों ले भरपूर मांस-मछली के साथ दूध और इससे बनी चीजों का सेवन बढ़ा दें।

सिर्फ 45 सैंकेड माथे के इस प्वाइंट को दबाएं, 5 हैल्थ प्रॉबल्म से राहत पाएं

मंहगाई के दौर में हर कोई अपने काम में मशरूफ है। रोजाना दफ्तर में घंटों स्क्रीन के सामने बैठकर काम कर पाना काफी मुश्किल है। ऐसे में हम लोग अपने खान-पान की तरफ भी ठीक से ध्यान नहीं देते, जिस वजह से अक्सर सिर दर्द और अन्य शिकायत रहती है। इससे छुटकारा पाने के लिए लोग अक्सर कई दवाइयों का सहारा लेते है, जिनके लगातार सेवन से अपनी ही सेहत को नुकसान पहुंचता है। आज हम आपको साधारण तरीका बताएंगे, जिसको ट्राई करने से सिर दर्द से लेकर सभी छोटी-मोटी प्रॉबल्म दूर होती है।

भौहों के बीच वाला प्वाइंट दबाएं

अगर आप अक्सर सिर दर्द से परेशान रहते है तो दोनों भौहों के बीच मौजूद प्वाइंट को उंगलियों की मदद से लगभग 45 सैकेंड तक दबाएं। भौहों के बीच वाले हिस्से को दबाने से अलग किस्म की ऊर्जा पैदा होती है, जिससे सिर दर्द की समस्या झट से गायब हो जाती है। इसके अलावा इससे कई प्रकार की समस्याएं दूर होती है।

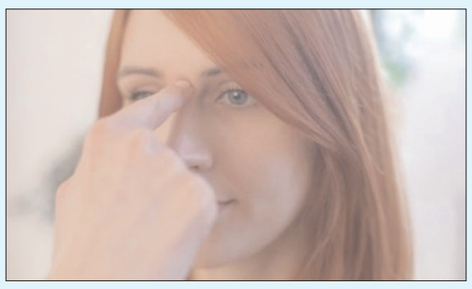

बेहतर रक्तसंचार

भौहों को दबाने से टेंशन, गैस्ट्रिक समस्या जैसी समस्या दूर होती है। ब्लड सर्कुलेशन भी बेहतर रहता है। भौहों को दबाने से शरीर में हैप्पी हर्मोन्स रिलीज होता है, जिससे तनाव दूर रहता है।

याद्दाश्त तेज

ऐसा करने से याद्दाश्त तेज होती है। इस प्रक्रिया को बच्चों से भी करवाए, क्योंकि यह उनके लिए काफी फायदेमंद हो सकती है।

थकान कम होना

भौहों के बीच से माथे को दबाने से थकान की समस्या भी दूर होती है। अगर आपको ऑफिस के कारण थकान रहती है तो आप इस प्रक्रिया को ऑफिस में बैठे-बैठे भी कर सकते है।

आंखों को आराम

लगातार किसी काम पर आंखे गढ़ाए रखने से आंखों पर काफी बोझ बढ़ जाता है, जिससे आंखे दर्द होने लगती है। आंखों आराम देने के लिए अपने माथे को उंगलियों की मदद से दबाएं।

स्मॉग से बचना चाहते है तो घर में लगाएं ये पौधे

दिल्ली व एनसीआर में स्मॉग ने लोगों का जीना दुष्वार कर दिया है। ऐसे में सोशल मीडिया से लेकर बाजार में कई तरह के उपकरणों व अन्य नुस्खों को अपनाने और उनके फायदे को लेकर दलीलें दी जा रही हैं। लेकिन, इन सबके मुकाबले हमारे आस-पास और अमूमन हरेक घरों में पाए जाने वाले पौधे घर के भीतर भी ऐसे वातावरण में स्वच्छ वायु के लिए प्रभावी हो सकते हैं।

ऐसे पौधे और उनसे होने वाले फायदे पर रिपार्ट

जिस तरह से स्मॉग के कारण सांस लेने में तकलीफ और आंखों में जलन व अन्य कई प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं आ रही हैं। ऐसे में बाजार में डेढ़ हजार रुपए से लेकर डेढ़ लाख तक की कीमत के एयर प्यूरीफायर व अन्य उपकरण बेचे जा रहे हैं। लेकिन, जानकारों का कहना है कि ऐसे वातावरण में भी शुद्ध वायु देने वाले कुछ पौधे ऐसे भी है जो हमारे लिए किसी संजीवनी से कम नहीं है। बताया जाता है कि स्मॉग से पैदा होने वाली घुटन से यह पौधे हमे बचाए रखते है।



- एरिका पॉम प्लांट

कहने को तो यह महज एक शोपीस प्लांट है, लेकिन यह स्मॉग के कारण उत्पन्न होने वाली दूषित हवा से घर को बचाता है, बल्कि घर के भीतर शुद्ध हवा का संचार भी करता है। इसे लिविंग रूम प्लांट भी कहा जाता है। इसकी खूबी है कि यह कार्बन व कार्बनमोनोऑक्साइड को सोखकर हवा को साफ कर देता है। अपने घर ऐसे चार पौधों को लगाएं, हर रोज इसकी पत्तियां साफ करें और तीन से चार माह में एक बार इसे धूप जरूर लगाएं। इस पौधे को स्नेक प्लांट, बेडरूम प्लांट के नाम से भी पहचाना जाता है। यह पौधा रात में भी कार्बनमोनोऑक्साइड को ऑक्सीजन में तब्दील करता है।

मनी प्लांट

यह पौधा घर-घर में पहचाना जाता है।



हालांकि इसका संबंध मनी से है या नहीं, यह बात हम ठीक से नहीं कह सकते, लेकिन यह पौधा स्वास्थ्य की रक्षा में खासा सहायक है। मनी प्लांट हवा से केमिकल टॉक्सिन्स को साफ कर शुद्ध हवा को वातावरण में छोड़ता है।

स्मॉग से बाजार में बढ़े हवा शुद्ध करने वाले उपकरण

फिलहाल अमेजन, फ्लिपकार्ट, अलीबाबा सहित कई अन्य ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफार्म पर डेढ़ हजार रुपए से लेकर डेढ़ लाख रुपए तक की कीमत के घरेलू पोर्टेबल एयर प्यूरीफायर(हवा शुद्ध करने वाला उपकरण) बिक रहा है। इनकी कीमत भी इस तरह रखी गई है कि इन्हें निम्न मध्यम वर्ग से लेकर उच्च वर्ग दोनों खरीद सकते है।

डॉक्टरों की सलाह

डॉक्टरों का कहना है कि ऐसे वातारण में सबसे बेहतर है कि कपड़े वाले मास्क का प्रयोग करें। आईएमए अध्यक्ष डॉ.केके अग्रवाल का कहना है कि इस तरह के वातावरण में घुलने वाले कपड़े का मास्क अथवा अन्य महंगे उपकरण किसी काम के नहीं है। यदि जरूरी हो तभी बाहर निकलें, वह भी कपड़े वाला मास्क पहनकर ही घरों से बाहर निकलें।

Air pollution : डाइट का रखें पूरा ध्यान, जानिए क्या खाना हैं सबसे जरूरी

जिंदा रहने के लिए हमें सांसों की जरूरत होती है और सांसों को स्वच्छ हवा की लेकिन बढ़ते वायु प्रदूषण ने खुलकर सांस लेना मुश्किल कर दिया है। देश की राजधानी दिल्ली तो इस कहर की चपेट में हैं, जहां वायु प्रदूषण अब तक के सर्वोच्च स्तर पर है। तेजी से बिगड़ता मौसम और जहरीली हवा, दिल और अस्थमा संबंधी मरीजों, बच्चों और बुजुर्गों के लिए तो घातक है ही लेकिन स्वस्थ व्यक्ति भी इसमें ज्यादा देर तक सुरक्षित नहीं रह सकता। यह प्रदूषण फेफड़ों, रक्त, दिमाग,प्रजनन प्रणाली और इम्यून सिस्टम को प्रभावित करता है। अब सिर्फ दिल्ली ही प्रदूषण की चपेट में नहीं बल्कि अन्य कई राज्य भी इसके शिकार होते जा रहे हैं। अगर समय रहते इस ओर जागरूकता नहीं दिखाई गई तो जीवन खतरे में पड़ सकता है। इस समस्या के लिए सरकार के साथ- साथ हमें खुद भी कुछ ठोस कदम उठाने की सख्त जरूरत है, तभी हम एक स्वच्छ साफ-सुथरा जीवन जी सकते हैं।

वायु प्रदूषण से बचाते हैं ये आहार

जब तक सरकार वायु शुद्धि के बारे में ठोस कदम उठाएगी तब तक हमें अपनी डाइट में ऐसे आहार शामिल करने की जरूरत है जो हमें इस प्रदूषण से बचाए रखेंगे क्योंकि प्राकृतिक एंटी-ऑक्सिडेंट आहार इस खतरनाक प्रदूषण से लड़ने में मददगार साबित होते हैं। विटामिन सी, ई, बीटा कैरोटिन व ओमेगा 3 फैट हमारे इम्युन सिस्टम को मजबूत करती हैं।

विटामिन सी

विटामिन सी सबसे शक्तिशाली एंटी आक्सिडेंट हैं जो घुलकर हमारे पूरे शरीर में रहता हैं और सफाई करता है। एक युवा को रोजाना 40 मिलीग्राम विटामिन सी डाइट के रूप में लेने की जरूरत है। अगर आप इन विटामिन्स को सप्लीमेंट्स की बजाए आहारों में इनका सेवन करेंगे तो बेहतर है।

1. सिट्रस फरूट्स यानि संतरा, चकोत्तरा, नींबू का सेवन करें। इसके अलावा आंवले और अमरूद में भी विटामिन सी भरपूर होता है।
2. विटामिन सी लेने का बेस्ट तरीका रोज दो नींबू का रस पानी में मिलाकर पीएं।
3. सब्जियों में धनिया, चौलाई का साग, गोभी, मूली के पत्ते, मेथी, लेट्स पालक, शलगम का साग, अंकुरित दालें और ब्रोकली खाएं। हरी पत्तेदार सब्जियों में बीटा कैरोटिन भी प्रचूर मात्रा में होता है।
4. रोजाना तुलसी, अदरक, मुलैटी, पुदीना व लेमन टी बनाकर पीएं। टमाटर सलाद के रूप में खाएं।

विटामिन ई

मानव टिशूज को क्षति से बचाने का काम विटामिन ई करता है। हमारे शरीर को यह पौधों पर आधारित खाद्य तेल के जरिए मिलता है। पीनट, बादाम व जैतून तेल इसका अच्छा स्त्रोत है इसलिए इसका सेवन करें।

1. अलसी, सूरजमूखी के बीज और नट्स खाएं। एक दिन में एक आउंस पर्याप्त है।
2. फिश में साल्मन, रो और ईल में विटामिन ई मौजूद होता है। इसके अलावा एवोकाडो, ब्रोकली, अंजीर को डाइट में शामिल करें।

ओमेगा-3 फैट

ओमेगा 3 फैटी एसिड शरीर को वायु प्रदूषण से होने वाले हानिकारक प्रभावों से बचाता है। नट्स और बीज जैसे अखरोट, चिया सीड्स आदि को दही में मिलाकर खाएं। इसके अलावा मेथी व सरसों के बीच, काले चने, राजमा और बाजरे में भी ओमेगा 3 होता है।

आयुर्वेदिक नुस्खे

- सर्दी जुकाम से बचे रहने के लिए गुड में प्याज का रस मिलाकर सेवन करें यह सूखे और गीले दोनों तरह के कफ में कारगर है।

2. इन बातों का भी रखें ध्यान

- अगर आप सुबह सैर, जोगिंग साइकलिंग, योग या जिम के लिए जाते हैं तो नवम्बर से जनवरी तक सुबह की बजाए शाम को जाएं क्योंकि सुबह के समय प्रदूषण की समस्या अधिक है।
- इन 3 महीनों में अगरबत्ती, धूप का इस्तेमाल ना करें।
- कूड़ा कर्कट को जलाएं नहीं। सफाई के लिए झाड़ू की बजाए गीले पौंछे का इस्तेमाल करें ताकि धूल मिट्टी उड़ेगी नहीं।
- प्रदूषण से बचने के लिए मास्क का इस्तेमाल करें।
- सड़क पर पानी का हल्का छिड़काव करे ताकि धूल-मिट्टी ना उड़े।
- घर में वायु शोधक का इस्तेमाल करें, खासकर बच्चों, गर्भवती महिला व बुजुर्गों के कमरे में।

आईआईटीएफ-2026 में राजस्थान पवेलियन को मिला उत्कृष्ट सहभागिता सम्मान, फूड कैटेगरी में मिला स्वर्ण पुरस्कार

नई दिल्ली (एजेंसी)। 45वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ-2026) में राजस्थान ने अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक शिल्प, स्थानीय उत्पादों और आकर्षक प्रस्तुति के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान स्थापित की है। मेले के समापन से एक दिन पूर्व आयोजित अवॉर्ड समारोह में राजस्थान को पार्टनर स्टेट श्रेणी में Award of Honorable Participation से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही राजस्थान को फूड कैटेगरी में गोल्ड अवॉर्ड भी प्राप्त हुआ।

राजस्थान इस वर्ष लगातार दूसरी बार आईआईटीएफ में पार्टनर स्टेट के रूप में सहभागी रहा। उल्लेखनीय है कि 44वें आईआईटीएफ में भी राजस्थान पार्टनर स्टेट था तथा दोनों वर्षों में राजस्थान पवेलियन के लिए 1,000 वर्ग मीटर क्षेत्रफल आवंटित किया गया था। पिछले वर्ष राजस्थान पवेलियन को उत्कृष्ट डिस्प्ले के लिए गोल्ड अवॉर्ड प्राप्त हुआ था।

इस वर्ष भी राजस्थान पवेलियन ने अपनी विशिष्ट थीम, प्रभावी प्रस्तुतीकरण और उत्कृष्ट आयोजन व्यवस्थाओं के माध्यम से आगंतुकों का ध्यान आकर्षित किया। अवॉर्ड समारोह में ITPO के चेयरमैन, प्रबंध निदेशक, कार्यकारी निदेशक एवं OSD सहित वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं को सम्मानित किया गया।

विकास और विरासत' की थीम पर तैयार हुआ था राजस्थान पवेलियन

इस वर्ष राजस्थान पवेलियन को 'विकास और विरासत' की थीम के अनुरूप तैयार किया गया था। पवेलियन में प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक कलाओं, हस्तशिल्प, हथकरघा, आभूषण, वस्त्र, फर्नीचर एवं स्थानीय उत्पादों को आकर्षक ढंग से प्रदर्शित किया गया। राजस्थान पवेलियन के निर्देशक हर्ष शर्मा ने बताया कि पवेलियन में कुल 44 स्टॉल स्थापित किए गए, जहां राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों के कारीगरों, उद्यमियों और उत्पादकों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन एवं विपणन का अवसर मिला। इसके अतिरिक्त 7 लाइव डेमो के माध्यम से प्रदेश की पारंपरिक शिल्पकलाओं एवं कारीगरी को प्रत्यक्ष रूप से प्रदर्शित किया गया, जिसने आगंतुकों को विशेष रूप से आकर्षित किया।



ODOP एक्सपीरियंस वॉल और तट्ट टैग वॉल रहे प्रमुख आकर्षण।

शर्मा ने बताया कि राजस्थान पवेलियन में स्थापित ODOP (One District One Product) एक्सपीरियंस वॉल के माध्यम से प्रदेश के सभी 41 जिलों के विशिष्ट उत्पादों को प्रदर्शित किया गया। इस पहल ने राजस्थान के विविध स्थानीय उत्पादों, पारंपरिक कौशल एवं जिला-विशेष की पहचान को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया। वहीं, GI टैग वॉल के माध्यम से भौगोलिक संकेतक (Geographical Indication) प्राप्त राजस्थान के विशिष्ट उत्पादों एवं पारंपरिक शिल्पों को प्रदर्शित किया गया। विभिन्न विभागों की ओर से प्रदेश की औद्योगिक, व्यापारिक एवं विकास संबंधी उपलब्धियों को भी प्रस्तुत किया गया।

चार लाख से अधिक आगंतुकों ने किया राजस्थान पवेलियन का अवलोकन- पवेलियन के निदेशक हर्ष शर्मा ने बताया कि आईआईटीएफ-2026 के दौरान राजस्थान पवेलियन को देशभर के आगंतुकों, व्यापारियों, उद्यमियों, विदेशी प्रतिनिधियों एवं विभिन्न राज्यों से आए विशिष्ट अतिथियों का व्यापक प्रतिसाद मिला।

26 नवंबर तक चार लाख से अधिक आगंतुक राजस्थान पवेलियन का अवलोकन कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि राजस्थान के पारंपरिक हस्तशिल्प, स्थानीय उत्पादों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, लाइव डेमो और आकर्षक डिस्प्ले ने आगंतुकों के बीच विशेष उत्साह पैदा किया। पवेलियन में प्रदर्शित उत्पादों के प्रति लोगों ने गहरी रुचि दिखाई और राजस्थान की पारंपरिक मेहमाननवाजी की भी सराहना की।

राजस्थान पवेलियन को प्राप्त उत्कृष्ट सहभागिता सम्मान तथा फूड कैटेगरी में गोल्ड अवॉर्ड प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, स्थानीय उत्पादों, पारंपरिक खानपान और प्रभावी आयोजन प्रबंधन को मिली राष्ट्रीय स्तर की सराहना का प्रतीक है।

इस उपलब्धि में राजस्थान सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, राजस्थान लघु उद्योग निगम (RAJSICO) तथा आयोजन एवं व्यवस्थापन से जुड़े अधिकारियों, कर्मचारियों, प्रतिभागी उद्यमियों, कारीगरों और स्टॉल संचालकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

न्यूज इनबॉक्स

रेल मंत्रालय ने IITF 2026 में अपने पैवेलियन के लिए सिल्वर पुरस्कार जीता

जयपुर (कासं)। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 45वें भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले 2026 में, रेल मंत्रालय को 'विकास और विरासत' थीम पर आधारित अपने पैवेलियन के लिए सिल्वर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। आगंतुकों और जूरी सदस्यों, दोनों से ही खूब सराहना पाने वाले भारतीय रेलवे के पैवेलियन में आधुनिक रेल बुनियादी ढांचे, अत्याधुनिक इंजीनियरिंग और यात्रियों की सुविधाओं के क्षेत्र में देश की तीव्र प्रगति को प्रदर्शित किया गया। इस प्रदर्शनी का एक मुख्य आकर्षण हाल ही में लॉन्च की गई 'वंदे भारत स्लीपर' ट्रेन थी। इसे लंबी दूरी की रात भर की यात्रा को और अधिक सुरक्षित, आरामदायक और आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसके साथ ही, भारतीय रेलवे नेटवर्क पर चलने वाली विभिन्न ट्रेनों के मॉडलों का भी शानदार प्रदर्शन किया गया। यह पहल भारतीय रेलवे की उस निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसमें वह अपनी विरासत और नवाचार (इनोवेशन) का मेल बिठाते हुए, देश भर के नागरिकों को तेज़, सुरक्षित और विश्व स्तरीय रेल कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए काम कर रहा है।

जयपुर विकास प्राधिकरण आयुक्त ने किया राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 का निरीक्षण

जयपुर (कासं)। जयपुर विकास आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने गुरुवार को राजस्थान संपर्क हेल्पलाइन 181 की कार्यप्रणाली का निरीक्षण किया। उन्होंने जयपुर विकास प्राधिकरण से संबंधित परिवादों के निस्तारण की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को जनसमस्याओं का समयबद्ध, पारदर्शी एवं संवेदनशील समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। महाजन ने कहा कि राजस्थान संपर्क आमजन की सेवा, सुविधा और समस्या समाधान का महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर परिवादों की विस्तृत समीक्षा करने तथा लंबित प्रकरणों का प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कर्मचारियों से संबंधित शिकायतों की भी गंभीरता से समीक्षा करने के निर्देश दिए। महाजन ने स्वयं परिवादियों से बातचीत कर उनकी शिकायतों के संबंध में जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई कर राहत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने शिकायतों के विश्लेषण में एआई के उपयोग के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि मानवीय विवेक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के समन्वय से शिकायत निस्तारण की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाया जाना चाहिये। उल्लेखनीय है कि 26 नवम्बर 2026 तक जयपुर विकास प्राधिकरण से संबंधित प्राप्त कुल 47,132 परिवादों में से 43,572 परिवादों का निस्तारण किया जा चुका है। इस प्रकार निस्तारण का प्रतिशत 92.45 रहा। इस अवधि में औसत निस्तारण समय 31 दिन रहा, जबकि नवम्बर माह में यह 16 दिन रहा।

एकमुश्त समाधान योजना में खनन पट्टाधारक 22 जनवरी तक जमा करा सकेंगे मांग राशि

जयपुर (कासं)। खनन पट्टाधारकों द्वारा ड्रोन सर्वे कराकर वोल्यूमेट्रिक एसेसमेंट रिपोर्ट संबंधित खनि अभियंता या सहायक खनि अभियंता कार्यालय में प्रस्तुत करने वाले खान धारक एकमुश्त समाधान योजना का लाभ 22 जनवरी, 2027 तक प्राप्त कर सकेंगे। राज्य सरकार के खान विभाग द्वारा जारी आदेशों के अनुसार संबंधित खनि अभियंता या सहायक खनि अभियंता कार्यालय में 31 मार्च, 2026 तक रिपोर्ट प्रस्तुत करने वाले खानधारकों को विभागीय मांग के संबंध में 22 दिसबर तक सूचित किया जा सकेगा, वहीं संबंधित खान धारकों को मांग के अनुसार राशि एकमुश्त या किश्त में चुकाने की सुविधा 22 जनवरी, 2027 तक दी गई है। उल्लेखनीय है कि खनन पट्टों में वोल्यूमेट्रिक असेसमेंट एवं खनिज निर्गमन के आंकड़ों के आधार पर उत्पन्न विसंगतियों के प्रकरणों के निराकरण के लिए राज्य सरकार द्वारा एकमुश्त समाधान योजना जारी की गई थी। योजना के अनुसार खनन पट्टाधारियों को खनन पट्टा क्षेत्र एवं 100 मीटर परिधि का ड्रोन सर्वे कराकर रिपोर्ट प्रस्तुत करनी थी। संशोधित अवधि के अनुसार ड्रोन सर्वे रिपोर्ट प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 31 मार्च, 2026 थी और संबंधित कार्यालय द्वारा 30 अप्रेल 26 तक योजना के अनुसार मांग प्रेषित करने और खनन पट्टाधारकों को 31 अक्टूबर 2026 तक मांग के अनुसार राशि जमा कराने की अवधि निर्धारित थी।

राजस्थान के औद्योगिक विकास में भागीदार बनेंगे प्रवासी राजस्थानी

जयपुर (कासं)। राजस्थान सरकार राज्य में निवेश बढ़ाने के साथ-साथ प्रवासी राजस्थानियों के अनुभव, विशेषज्ञता और ग्लोबल नेटवर्क का भी लाभ उठाना चाहती है ताकि प्रदेश के औद्योगिक विकास को नई गति मिल सके। इसी दिशा में प्रवासी राजस्थानी दिवस 2026 के तहत आयोजित होने वाले छह प्रमुख सेक्टोरल सेशन्स में से एक इंडस्ट्रीज सेक्टोरल सेशन में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पर विशेष फोकस रहेगा। यह सत्र 10 दिसंबर को जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (जेईसीसी) में आयोजित होगा। इसमें प्रवासी राजस्थानी, निवेशक और उद्योग जगत से जुड़े लोग जुटेंगे। सत्र में विभिन्न क्षेत्रों में उभरते अवसरों, राज्य की औद्योगिक नीतियों और निवेश प्रोत्साहन योजनाओं पर चर्चा होगी।

जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा-2027 के सफल आयोजन के लिए सभी तैयारियां सुनिश्चित करें– नरेंद्र कुमार वर्मा

जयपुर (कासं)। जवाहर नवोदय विद्यालय पावटा में शैक्षणिक सत्र 2027-28 के लिए कक्षा-6 में प्रवेश हेतु आयोजित होने वाली जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा-2027 के सफल, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण आयोजन के संबंध में गुरुवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में अतिरिक्त जिला कलक्टर (पूर्व) नरेंद्र कुमार वर्मा की अध्यक्षता में अभिविन्यास बैठक आयोजित की गई। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर ने परीक्षा के सुचारु संचालन, अभ्यर्थियों की सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था तथा नकल रहित परीक्षा आयोजन के लिए संबंधित अधिकारियों एवं केंद्राधीक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। अतिरिक्त जिला कलक्टर नरेंद्र कुमार वर्मा ने निर्देश दिए कि परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों की सुविधा एवं सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए। परीक्षा केंद्रों पर अभिभावकों को पर्याप्त दूरी पर रखा जाए तथा स्मार्टफोन का उपयोग पूर्णत: प्रतिबंधित रहे। उन्होंने कहा कि विलंब से आने वाले परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। प्रत्येक अभ्यर्थी की पहचान सुनिश्चित करने के पश्चात ही उसे केंद्र में प्रवेश दिया जाए। उन्होंने केंद्राधीक्षकों को पूर्ण सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ निष्पक्षतापूर्वक परीक्षा संपन्न करवाने के निर्देश दिए। साथ ही स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अनियमितता पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध जिला प्रशासन द्वारा नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि परीक्षा के सफल एवं नकल रहित आयोजन के लिए सभी परीक्षा केंद्रों पर कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेटों की नियुक्ति के संबंध में भी आवश्यक जानकारी दी गई है। केंद्राधीक्षकों को संबंधित पुलिस थाने के प्रभारी से समन्वय स्थापित रखने के निर्देश भी दिए गए हैं। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने बताया कि जवाहर नवोदय विद्यालय पावटा में शैक्षणिक सत्र 2027-28 हेतु कक्षा-6 में प्रवेश के लिए चयन परीक्षा का आयोजन शनिवार, 28 नवंबर 2026 को प्रात: 11:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक किया जाएगा। परीक्षा में जयपुर एवं कोटपूतली-बहरोड़ जिले के कुल 8,929 पंजीकृत अभ्यर्थी 39 परीक्षा केंद्रों पर सम्मिलित होंगे। इनमें 13 परीक्षा केंद्र कोटपूतली-बहरोड़ जिले में तथा 26 परीक्षा केंद्र जयपुर जिले में निर्धारित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि परीक्षा में सम्मिलित होने वाले सभी पंजीकृत अभ्यर्थी नवोदय विद्यालय समिति के आधिकारिक ऑनलाइन पोर्टल से अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड कर उसका प्रिंट प्राप्त कर लें। परीक्षा केंद्र पर प्रवेश पत्र के साथ आधार कार्ड लाना अनिवार्य होगा। अभ्यर्थियों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए इन दस्तावेजों को साथ लाना आवश्यक है।



पुलिस थाना मुहाना, जयपुर दक्षिण के फरार कांस्टेबल सुरेश चन्द चौधरी को एसीबी ने किया गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो मुख्यालय पर दर्ज प्रकरण संख्या 213/2026 दिनांक 26.07.2026 में वांछित फरार आरोपी सुरेश चन्द चौधरी, कांस्टेबल नम्बर 10777, पुलिस थाना मुहाना, जयपुर शहर दक्षिण आयुक्तालय, जयपुर को आज गिरफ्तार किया गया है।



भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो में दर्ज उक्त प्रकरण का अनुसंधान एसीबी मुख्यालय की चौकी एसआईडब्ल्यू द्वारा किया जा रहा है। प्रकरण में पुलिस थाना मुहाना, जयपुर शहर दक्षिण आयुक्तालय के कांस्टेबल नोरत मीणा एवं कांस्टेबल सुरेश चन्द चौधरी द्वारा परिवादी के विरुद्ध दर्ज परिवाद में कार्यवाही नहीं करने एवं राजीनामा करवाने की एवज में रिश्वत राशि की मांग किए जाने की शिकायत प्राप्त हुई थी।

शिकायत के सत्यापन के दौरान दिनांक 21.07.2026 को दोनों कांस्टेबलों द्वारा 50,000 रुपये की रिश्वत राशि की मांग करना तथा 20,000 रुपये प्राप्त करने पर सहमत होना सत्यापित हुआ। इस पर दिनांक 23.07.2026 को एसीबी द्वारा ट्रैप कार्यवाही आयोजित की गई, जिसमें कांस्टेबल नोरत मीणा को 20,000 रुपये की रिश्वत राशि प्राप्त करते हुए गिरफ्तार किया गया था तथा उसे न्यायालय में पेश किया गया था।

उक्त ट्रैप कार्यवाही की भनक लगने पर आरोपी कांस्टेबल सुरेश चन्द चौधरी, कांस्टेबल नम्बर 10777, अपने कार्यस्थल एवं निवास स्थान से फरार हो गया था। एसीबी द्वारा उसकी तलाश की जा रही थी। आज दिनांक 26.11.2026 को एसीबी के अनुसंधान अधिकारी सुरेन्द्र पंचौली, उप अधीक्षक पुलिस द्वारा फरार आरोपी सुरेश चन्द चौधरी को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी से प्रकरण के संबंध में अनुसंधान एवं पूछताछ जारी है।

एसीबी राजस्थान की आमजन से अपील- किसी व्यक्ति के विरुद्ध एसीबी में प्रकरण (अभियोग, प्राथमिक जांच, परिवाद आदि) दर्ज होने पर संबंधित व्यक्ति एसीबी से सीधे संपर्क कर अपना पक्ष / स्पष्टीकरण प्रस्तुत कर सकता है। प्रस्तुत स्पष्टीकरण का एसीबी द्वारा विस्तृत विश्लेषण एवं परीक्षण किए जाने के उपरांत ही अनुसंधान में निर्णय लिया जाना एसीबी की कार्यप्रणाली का हिस्सा है। यह जानकारी एसीबी के नाम / डर का दुरुपयोग कर होने वाली धोखाधड़ी आदि का शिकार होने की संभावना के संदर्भ में महत्वपूर्ण है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के टोल फ्री नम्बर 1064 एवं व्हाट्सएप हेल्पलाईन नम्बर 9413502834 पर 24X7 सम्पर्क कर भ्रष्टाचार के विरुद्ध अभियान में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। एसीबी आपके वैध कार्य को करवाने में पूरी सहायता करेगी।

उत्तर पश्चिम रेलवे मुख्यालय पर मनाया गया 77वां संविधान दिवस

जयपुर (कासं)। संविधान दिवस के अवसर पर गुरुवार 2026 को उत्तर पश्चिम रेलवे मुख्यालय में 77वाँ संविधान दिवस समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक पंकज शर्मा ने विभागाध्यक्षों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ भारतीय संविधान की उद्देशिका का सामूहिक वाचन किया। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार 1949 को भारत की संविधान सभा द्वारा संविधान को औपचारिक रूप से अंगीकृत किया गया था।

इसी ऐतिहासिक दिवस की स्मृति में प्रतिवर्ष 26 नवम्बर को संविधान दिवस मनाया जाता है। कार्यक्रम के दौरान महाप्रबंधक पंकज शर्मा सहित उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने संविधान की उद्देशिका का पाठ किया तथा संविधान में निहित मूलभूत आदर्शों एवं मूल्यों का पालन करने और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता बनाए रखने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को 'माई भारत' पोर्टल पर आयोजित ऑनलाइन क्विज में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। साथ ही, संविधान की उद्देशिका का ऑनलाइन वाचन कर प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए भी प्रेरित किया गया। उत्तर पश्चिम रेलवे मुख्यालय में आयोजित यह कार्यक्रम भारतीय संविधान के आदर्शों, लोकतांत्रिक मूल्यों एवं संवैधानिक कर्तव्यों के प्रति रेलवे अधिकारियों एवं कर्मचारियों की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

संविधान दिवस- 2026: कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय में संविधान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने युवाओं से संवैधानिक मूल्यों को जीवन में अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि अधिकारों के प्रति जागरूक रहने के साथ कर्तव्यों का पालन करना भी आवश्यक है। वे गुरूवार को शांति एवं अहिंसा विभाग, राजस्थान सरकार तथा कानोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संविधान जागरूकता कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। संविधान अंगीकार किए जाने की 77वीं वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने छात्राओं एवं उपस्थित अतिथियों के साथ संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया। मुख्य सचिव ने भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर के विचार का उल्लेख करते हुए कहा कि महिलाओं की प्रगति समाज की उन्नति का पैमाना है।

संविधान प्रदत्त अधिकारों ने महिलाओं के लिए शिक्षा, नेतृत्व और आत्मनिर्भरता के नए अवसर उपलब्ध कराए हैं। उन्होंने कहा कि छात्राएँ भविष्य की प्रशासक, विधिवेत्ता, वैज्ञानिक और उद्यमी बनकर प्रगतिशील भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। श्रीनिवास ने कहा कि मौलिक अधिकार, मौलिक कर्तव्य और राज्य के नीति निर्देशक तत्व न्यायपूर्ण समाज एवं उत्तरदायी प्रशासन का आधार हैं। नैतिकता, जवाबदेही, सामाजिक सद्भाव और बंधुत्व को व्यवहार में अपनाना आवश्यक है।

उन्होंने छात्राओं को संविधान एवं उसकी प्रस्तावना का नियमित अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कल्याणकारी राज्य का उद्देश्य विकास का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुँचाना है। मुख्य सचिव ने 'मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस' की भावना को नागरिकों के डिजिटल एम्पावरमेंट और संस्थाओं के डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन से जोड़ा। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में तकनीक आर्थिक एवं मानवीय विकास की महत्वपूर्ण प्रेरक शक्ति है। उन्होंने छात्राओं को नई तकनीक अपनाने, रचनात्मक प्रश्न पूछने, निर्भीक होकर नवाचार करने तथा संवेदनशीलता एवं सत्यनिष्ठा के साथ नेतृत्व करने का संदेश दिया। शांति एवं अहिंसा विभाग की शासन सचिव डॉ. आरुषि मलिक ने छात्राओं से अपने कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ते हुए समाज, प्रदेश और देश के प्रति जिम्मेदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने डॉ. अम्बेडकर के संघर्षपूर्ण जीवन और शिक्षा के प्रति समर्पण से प्रेरणा लेने की बात कही। कार्यक्रम में शांति एवं अहिंसा विभाग के निदेशक अजय असवाल द्वारा संचालित संविधान विषयक प्रश्नोत्तरी में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्य सचिव ने विजेता प्रतिभागियों को स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया तथा संवैधानिक जागरूकता बढ़ाने के लिए विभाग एवं महाविद्यालय के प्रयासों की सराहना की।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर विधि विश्वविद्यालय, जयपुर की कुलगुरु प्रो. निष्ठा जसवाल, महाविद्यालय की निदेशक डॉ. रश्मि चतुर्वेदी, प्राचार्य डॉ. सीमा अग्रवाल सहित संकाय सदस्य एवं छात्राएँ उपस्थित रहे।



झालावाड़-मंदसौर सीमा विवाद पर दोनों राज्यों के मुख्य सचिवों की बैठक

सीमा विवाद के निपटारे पर राजस्थान और मध्यप्रदेश में बनी सहमति



जयपुर (कासं)। राजस्थान एवं मध्यप्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों में लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद के समाधान को लेकर गुरुवार को राजस्थान के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास एवं मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल के बीच वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित हुई। बैठक में मध्यप्रदेश के मंदसौर एवं राजस्थान के झालावाड़ जिले से सटे सीमावर्ती क्षेत्र से जुड़े विवाद पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि भारत सरकार द्वारा विकसित परिवेश पोर्टल के अनुसार संबंधित विवादित क्षेत्र को वन क्षेत्र का दर्जा प्राप्त है। उन्होंने कहा कि इस प्रकरण से जुड़े समस्त आवश्यक दस्तावेजों एवं तथ्यों के आधार पर उच्चतम न्यायालय तथा न्यायालय द्वारा गठित केन्द्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) के माध्यम से विवाद का समाधान किया जाना उचित होगा। मुख्य सचिव ने कहा कि इस संवेदनशील प्रकरण के समाधान में दोनों राज्यों के स्टैक होल्डर(हितधारक) के साथ सामाजिक एवं आर्थिक हितों का ध्यान रखना आवश्यक है। साथ ही, दोनों राज्यों के बीच सकारात्मक समन्वय एवं सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखना भी महत्वपूर्ण है। बैठक में दोनों राज्यों के मुख्य सचिवों ने अपने अपने पक्ष रखे तथा इस बात पर सहमति व्यक्त की कि प्रकरण का समाधान नियमानुसार सीईसी की अभिशंषा और उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुरूप ही किया जाएगा।

कार्यालय नगर निगम भीलवाड़ा (राज.)

क्रमांक: ननिभी/राजस्व/2026-27/16211 दिनांक : 20.11.2026

-: ऑनलाईन निविदा सूचना 10/2026-27 वर्ष :-

क्र. सं.	कार्य का विवरण	ई-निविदा विक्रय/डाउनलोड/प्राप्ति तिथि	ई-निविदा खोलने की दिनांक	ई-निविदा शुल्क	कार्य की अनुमानित लागत (लाखों में)
1	नगर निगम भीलवाड़ा द्वारा संचालित सामुदायिक भवनो का रख-रखाव एवं सुरक्षा व्यवस्था के कार्य हेतु (सामुदायिक भवन की संख्या 15)	दिनांक 20.11.2026 प्रातः 09:30 से दिनांक 07.12.2026 सायं 6:00 बजे तक	08.12.2026 को प्रातः11:00 बजे	1000/-	18.00 लाख

NIB CODE :- DLB2627A9923
UBN CODE :- DLB2627GLOB24888

राज.संवाद/सी/26/13689

आयुक्त
नगर निगम, भीलवाड़ा

राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम

कार्यालय मुख्य प्रबन्धक भीलवाड़ा आगार, नेहरु रोड़-भीलवाड़ा-311001 (राज.), Email : rsrtc.cmbhl@gmail.com & cmbhl.rsrtc@rajasthan.gov.in

निविदा सूचना

निगम के केन्द्रीय बस स्टेण्ड भीलवाडा पर निम्नलिखित स्टॉल/बूथ एवं अन्य हेतु लाईसेन्सी नियुक्त किया जाना है:-

क्र. सं.	स्टॉल की प्रकृति	साईज	मासिक न्यूनतम फीस अनुमानित लागत	विवरण
1	केन्टीन 2	15 X 12	144946 रूपये	फेन्सी स्टोर के दायी और दूसरी स्टॉल
2	कम्प्यूटर ई-मित्र फोटो कॉपी न्यूज पेपर	15 X 8	7175 रूपये	केन्टीन प्रथम के बायी और
3	बेकरी शॉप से सम्बन्धित आईटम	15 X 8	12706 रूपये	पुलिस चौकी के दायी और
4	गजक, रेवडी, फ्रेश फ्रुट, फ्रुट ज्यूस	15 X 8	27500 रूपये	केन्टीन प्रथम के बायी और द्वितीय रिक्त स्टॉल
5	इलेक्ट्रॉनिक्स आईटम, मोबाईल शॉप, बुक स्टॉल	15 X 8	18666 रूपये	फेन्सी स्टोर के दायी और व केन्टीन द्वितीय के बांयी और
6	शुलभ कॉम्पलेक्स	40 X 26	57147 रूपये	फैंसी स्टॉल एवं सीढियों के पास

निविदा प्रपत्र एवं शर्तें निर्धारित राषि 200/-रूपये, जीएसटी नियमानुसार अतिरिक्त नकद जमा करवाकर निम्नहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से प्राप्त किये जा सकतें है । निविदा प्रपत्र के साथ निर्धारित क्रम संख्या 1 एवं 6 के लिए धरोहर राशि रूपये 25000/- रू एवं क्रम संख्या 2 से 5 तक के लिए धरोहर राशि 15,000/- रू नकद अथवा डी.डी./बैकर्स चैक मुख्य प्रबन्धक राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम भीलवाडा के नाम हो के रूप में जमा करानी होगी । निर्धारित धरोहर राशि जमा कराये बिना प्रस्ताव मान्य नहीं होंगे ।

इच्छुक व्यक्ति/संस्थान अपने प्रस्ताव दिनांक 08.12.2026 को मध्यान्ह पश्चात् 15.00 बजे तक निम्नहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष सील्ड लिफाफे में प्रस्तुत कर सकतें है, जो उसी दिन सायं 15.30 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोले जावेगें । किसी भी प्रस्ताव या प्रस्तावों को बिना कारण बताये अस्वीकार करने का निगम को पूर्ण अधिकार होगा। अधिक जानकरी हेतु कार्यालय समय में निम्नहस्ताक्षरकर्ता से संपर्क करें।

UBN : RTC2627SLOB00636

राज.संवाद/सी/26/13661 विज्ञापन संख्या 290/2026-27 मुख्य प्रबंधक

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक कैलाश त्रिवेदी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43-ए, माली कॉलोनी चांदपोल बाहर जयपुर से मुद्रित एवं डी-38, प्रधानपथ, चौमू हाउस, सी स्कीम, जयपुर से प्रकाशित। सम्पादक कैलाश त्रिवेदी* । *पीआईबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार।
फोनः 0141-4038281, Email:- lokjeewanjpr@gmail.com भीलवाड़ा कार्यालयः 207-214, नागौरी गार्डन, लोकजीवन कॉम्पलेक्स, भीलवाड़ा। फोनः 01482-355985, Email:- lokjeewan@gmail.com, मो. 8306792625